http://amritkalashtimes.com

अमृत कलश टाइम्स

वर्ष : 18
अंक : 94

प्रयागराज शुक्रवार 20 दिसम्बर 2024

पृष्ठः- 4, मूल्यः- एक रूपया

मध्य वायु कमान में कमांडरो का सम्मेलन

उन्होंने कमांडरों को मौजूदा सुरक्षा परिदृश्य, भारतीय वायुसेना की महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में अवगत कराया और उभरती हुई चुनौतियों से निपटने के लिए उच्च स्तरीय तत्परता और सतर्कता बनाए रखने का आवश्यकता पर बल दिया।

उन्होंने परिचालन तैयारियों को बढ़ाने, रखरखाव प्रथाओं पर ध्यान केंद्रित करने और मजबूत भौतिक और साइबर सुरक्षा सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला।

प्रयागराज। भारतीय वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने मध्य वायु कमान (सीएसी) कमांडर्स कॉन्फ्रेंस 2024 के लिए 18 से 19 दिसंबर 24 तक सीएसी मुख्यालय का दौरा किया। मध्य वायु कमान के एयर ऑफिसर कमांडिंग–इन–चीफ एयर मार्शल आशुतोष दीक्षित ने उनका स्वागत किया। इस अवसर पर वायु सेना प्रमुख को समारोहपूर्वक गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। वायु सेना प्रमुख ने सम्मेलन के दौरान सीएसी एओआर के कमांडरों के साथ बातचीत की और भारतीय वायुसेना की परिचालन क्षमता को बढ़ाने में अपनी भूमिका से अवगत होने के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कमांडरों को मौजूदा सुरक्षा परिदृश्य, भारतीय वायुसेना की महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में अवगत कराया और उभरती हुई चुनौतियों से निपटने के लिए उच्च स्तरीय तत्परता और सतर्कता बनाए रखने का आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने परिचालन तैयारियों को बढ़ाने, रखरखाव प्रथाओं पर ध्यान केंद्रित करने और मजबूत भौतिक और साइबर सुरक्षा सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कमांडरों से सुरक्षित परिचालन उड़ान वातावरण सुनिश्चित करने के लिए अपने प्रयास जारी रखने का आग्रह किया और नवाचार और आत्मनिर्भरता के माध्यम से भारतीय वायुसेना की क्षमता को बढ़ाने की आवश्यकता पर बल दिया। वायु सेना प्रमुख ने अपने संबोधन में भारतीय वायुसेना स्तर के अभ्यास, एचएडीआर संचालन और नागरिक प्रशासन को सहायता देने और भारतीय वायुसेना के मिशन, अखंडता और उत्कृष्टता के मूल्यों को सर्वोपरि रखने के लिए मध्य वायु कमान की भूमिका की सराहना की।

भाजपा सांसदों ने हमें संसद भवन में जाने से रोका, धमकाया: राहुल

संसद परिसर में धक्का–मुक्की

● भाजपा सांसद सारंगी घायलः आरोप- राहुल गांधी ने धक्का दिया

● ये सरासर गुंडई है, भाजपा सदस्यों ने खरगे और प्रियंका गांधी के साथ धक्का–मुक्की की, कांग्रेस ने जारी किया वीडियो

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। राहुल गांधी ने दावा किया कि विपक्षी नेताओं के साथ धक्का–मुक्की की गई, लेकिन इससे उन्हें फर्क नहीं पड़ता। कांग्रेस नेता ने कहा, ''यह संसद है और अंदर जाना हमारा अधिकार है।'' लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के धक्का–मुक्की के आरोपों को खारिज करते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि सत्तापक्ष के सदस्यों ने विपक्षी सांसदों को संसद भवन में जाने से रोका और धमकी दी।उन्होंने संसद परिसर में संवाददाताओं से कहा, ''मैं संसद के अंदर जाने की कोशिश कर रहा था। लेकिन भाजपा के सांसद मुझे रोकने की कोशिश कर रहे थे, धक्का दे रहे थे और धमका रहे थे।'' राहुल गांधी ने दावा किया कि विपक्षी नेताओं के साथ धक्का–मुक्की की गई, लेकिन इससे उन्हें फर्क नहीं पड़ता। कांग्रेस नेता ने कहा, ''यह संसद है और अंदर जाना हमारा अधिकार है।'' अक्सर सफेद रंग टी–शर्ट पहनने वाले राहुल गांधी बृहस्पतिवार को नीले रंग की टी–शर्ट पहनकर संसद पहुंचे। उन्होंने कहा कि मुख्य मुद्दा यह है कि संविधान और बाबासाहेब की स्मृति का अपमान हुआ है। भाजपा ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी ने धक्का–मुक्की की, जिसके कारण उसके सांसद प्रताप सारंगी गिर गए और उनके सिर में चोट लग गई।

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। शीतकालीन सत्र शुक्रवार को समाप्त होने वाला है और कई मुद्दों पर राजनीतिक खींचतान के बीच कुछ बड़े कामकाज बाकी है। इस बीच आज संसद भवन परिसर में गहमा–गहमी वाला माहौल नजर आया। भाजपा के दो सांसद घायल हो गए, उन्होंने दावा किया कि यह कांग्रेस और विपक्षी सदस्यों के धक्का–मुक्की का नतीजा था। संसद में भारतीय जनता पार्टी के सांसदों के साथ कथित मारपीट के मामले में कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने के लिए बीजेपी सांसद अनुराग ठाकुर और बांसुरी स्वराज पुलिस स्टेशन पहुंचे। बीजेपी सांसद मनोज तिवारी ने दावा किया कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने संसद भवन में मुकेश राजपूत को अपने हाथों से धक्का दिया। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी झगड़ा करने की नीयत से आए थे, हमने राहुल गांधी का रास्ता नहीं रोका। राहुल ने दोनों हाथों से मुकेश राजपूत को धक्का दिया। संसद में विरोध प्रदर्शन के दौरान घायल होने के बाद पीएम मोदी ने बीजेपी सांसद प्रताप सारंगी, मुकेश राजपूत को फोन किया। राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश ने सभापति को हटाने की मांग करने वाले विपक्ष के महाभियोग नोटिस को खारिज कर दिया। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कहा कि आप संसद टेलीविजन पर वीडियो देख सकते हैं। दुर्भाग्य से, अंबेडकर की विरासत

और संविधान ही राजनीतिक रूप से युद्ध का मैदान बन गए हैं। यह दोनों पक्षों के लिए थोड़ा बेतुका होता जा रहा है। हमें आज की समस्याओं पर आगे बढ़ने की जरूरत है।खरगे और प्रियंका गांधी के साथ धक्का–मुक्की की पार्टी ने अपने आधिकारिक 'एक्सश हैंडल पर यह वीडियो जारी किया जिसमें दोनों पक्ष के सांसद बाबासाहेब आंबेडकर की तस्वीर वाली तख्तियां लेकर नारेबाजी करते नजर आ रहे हैं। मुख्य विपक्षी दल ने वीडियो का हवाला देते हुए दावा किया, ''भाजपा सांसद हाथों में डंडे लगी तख्तियां लेकर विपक्ष के सांसदों को सदन में जाने से रोक रहे हैं। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, प्रियंका गांधी और अन्य महिला सांसदों के साथ भाजपा के सांसद धक्का–मुक्की कर रहे हैं।श्यह सरासर गुंडागर्दी है– कांग्रेस उसने कहा, ''यह सरासर गुंडागर्दी है। यह लोकतंत्र के मंदिर में भाजपा की तानाशाही है। इसे किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।श्श अक्सर सफेद रंग टी–शर्ट पहनने वाले राहुल गांधी बृहस्पतिवार को नीले रंग की टी–शर्ट पहनकर संसद पहुंचे।

कुलगाम में सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़, हिजबुल कमांडर समेत पांच आतंकवादी ढेर

श्रीनगर,(एजेंसी)। जम्मू–कश्मीर के कुलगाम जिले में गुरुवार को सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में हिजबुल मुजाहिदीन के वरिष्ठ कमांडर समेत पांच आतंकवादी मारे गये। आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक आतंकवादियों की मौजूदगी की खुफिया सूचना के आधार पर सुरक्षा बलों और पुलिस ने कुलगाम के कादर इलाके में आज सुबह संयुक्त अभियान छेड़ा। इसी दौरान

आतंकवादियों ने अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। जवाबी कारेवाई में सुरक्षा बलों ने भी गोलियां चलायी। दोनों पक्षों के बीच करीब दो घंटे तक चली मुठभेड़ में पांच आतंकवादी मारे गये। गोलीबारी में दो सैनिक घायल हुए हैं, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उन्होंने बताया कि मारे गये आतंकवादियों में हिजबुल कमांडर फारूक अहमद भट उर्फ घ्फारूक नाली शामिल है जो कुलगाम के देसचेन येमरिच का निवासी था। पुलिस महानिरीक्षक (कश्मीर सर्किल) वी.के. बिरधी ने नाली के मारे जाने की पुष्टि की। उन्होंने बताया कि 40 वर्षीय फारूक नाली 2015 से आतंकवादी गतिविधियों में सक्रिय था और कई हमलों में उसका हाथ था। वर्ष 2020 में श्रीनगर में हुई मुठभेड़ में हिजबुल मुजाहिदीन के ऑपरेशनल कमांडर सैफुल्लाह की मौत के बाद नाली ने समूह की कमान संभाली थी।

महाकुम्भः नाविकों को मिलेगा बीमा कवर का

लाभ। 3000 नाविकों को दी जाएगी लाइफ जैकेट

महाकुम्भ नगर। जनवरी 2025 से त्रिवेणी के तट पर आयोजित होने जा रहे महाकुम्भ के पहले योगी सरकार की तरफ से संगम के नाविकों के लिए अच्छी खबर आई है। मेला प्रशासन ने नाविकों की जीविका और सुरक्षा को देखते हुए महाकुम्भ में कई लाभ देने का फैसला किया है। महाकुम्भ की शुरुआत के पहले कुम्भ मेला प्रशासन की तरफ से संगम के नाविकों को कई रियायत देने का ऐलान किया गया है। नावों का किराया बढ़ाने पर मेला प्रशासन की सहमति बन गई है। एडीएम महाकुम्भ विवेक चतुर्वेदी के मुताबिक संगम में चलने वाली नावों के किराए में 50 फीसदी की बढ़ोत्तरी कर दी गई है। लंबे समय नाविकों की नाव का किराया बढ़ाने की मांग की जा रही थी। प्रयागराज जिला नाविक संघ और मेला प्रशासन के बीच हुई बैठक के बाद यह फैसला लिया गया है। प्रयागराज जिला नाविक संघ के अध्यक्ष पप्पू लाल निषाद ने प्रशासन के इस फैसले का स्वागत किया है। पप्पू लाल निषाद का कहना है महंगाई में बढ़ोत्तरी के बावजूद कई बरसों से नावों के किराए में कोई बढ़ोत्तरी नहीं की गई थी। इसे देखते हुए प्रशासन का फैसला नाविकों के हित में है। नावों के किराए में की गई बढ़ोत्तरी के बाद अब यह भी सुनिश्चित किया जायेगा कि किसी भी श्रद्धालु से तय किए गए किराए से ज्यादा किराया न लिया जाय। इसके लिए पूरी पारदर्शिता बरतने के लिए नाव के किराए की नई सूची भी तैयार की जा रही है। एडीएम मेला के मुताबिक सभी घाटों और पार्किंग स्थल में इस लिस्ट को चस्पा किया जायेगा। उन्होंने बताया कि प्रमुख स्नान पर्व पर भी नावें संचालित की जा सकेंगी, सिर्फ मोटर बोट प्रतिबंधित रहती है। महाकुंभ में स्नान पर्वों के दिन त्रिवेणी में पुण्य की डुबकी लगाने के लिए उमड़ने वाली भीड़ को देखते हुए श्रद्धालुओं की सुरक्षा महत्वपूर्ण पहलू है। इसे ध्यान में रखते हुए पर्व पर नाव संचालन का निर्णय लिया गया है। एस डी एम महाकुंभ अभिनव पाठक बताते हैं कि स्नान पर्व में मौसम और भीड़ की स्थिति को देखते हुए नाव संचालन का निर्णय लिया जाएगा। संगम में इस समय 1455 नावों का संचालन हो रहा है। महा कुम्भ के समय आसपास के जिलों से नावों के आने के बाद इनकी संख्या 4000 पार सकती है। इन सभी नाविकों की नावों का बोट टेस्ट करने के बाद इन्हें लाइसेंस जारी होगा। उन्हें लाइफ जैकेट प्रदान की जाएंगी। सभी नाविकों को 2 लाख का बीमा कवर का लाभ भी मिलेगा।

सम्पादकीय

सत्ता और पद के नशे से लडखड़घता सिस्टम

जब भी समाज घातक घटनाओं को नजरअंदाज करता है और उन पर कोई स्टैंड नहीं लेता तो वे नजीर बन जातीं हैं। अठारह साल पहले स्व जुगलकिशोर बागरी ने माध्यमिक शिक्षा मंडल के एक बाबू का कालर पकड़ लिया था वे तब जल संसाधन मंत्री थे।उसी काल में एक और मंत्री उमाशंकर गुप्ता ने भी एक डाक्टर को थप्पड़ जड़ दिया था।घटनायें तो भुला दीं गईं किंतु विकृति बढ़ती गई है। देश आज जिस राह पर है वह निश्चित ही चौंकाने वाला है।प्रतिक्रियायें हिंसक और उन्मादी होती जा रहीं हैं।सीमायें अपने आप टूट रहीं हैं।ऐसा क्यों हो रहा है। पूर्व मद्दें हुई तीन घटनाओं की तरह एक ही सप्ताह में फिर से वैसी ही नई घटनायें सामने आ गई हैं।जो झकझोरतीं हैं। इलाहाबाद हाईकोर्ट के एक जज ने अपने सार्वजनिक भाषण में अल्पसंख्यकों को कठमुल्ला कहते हुए उन्हें देश के लिये खतरनाक बताया है।वे कथित रूप से बहुसंख्यकों के अनुसार देश चलाने की बात भी कहते हैं। उनके विरुद्ध महाअभियोग लाने की बात हो रही है।यह रेडिकिलाईजेशन (कट्टरता) की नई नजीर है। इससे भी खतरनाक घटना गाजियाबाद के जिला जज द्वारा छोटी सी बात पर वकीलों से हुए वाद विवाद में जिला न्यायाधीश और वकीलों के बीच में कथित झूमा झटकी की है, जहां पुलिस द्वारा वकीलों की जबरदस्त पिटाई के बाद वकीलों द्वारा अदालत के बाहर पुलिस चौकी में आग लगा देने की है।यह दोनों घटनायें न्यायपालिका के आचरण पर रोशनी डालती हैं अगर न्यायाधीश इतने ही प्रतिक्रियावादी हो जायेंगे तब निष्पक्ष न्याय की परिकल्पना ही व्यर्थ है।कल तक तो न्याय की मूर्ति की आंखों पर पट्टी थी लेकिन आज तो पट्टी हटा दी गई है ,तब जजों और वकीलों का यह कथित व्यवहार स्पष्ट संकेत है कि प्रतिक्रिया का उत्तेजक जहर पूरे कुंए में घुल चुका है। एक राष्ट्रीय दल के बड़े नेता के विरुद्ध विदिशा में शर्मनाक मामले में एफआईआर दर्ज हुई है।उसकी भतीजी ने ही उस पर यौन शोषण और रेप के आरोप लगाये हैं।हालांकि भाजपा ने उसे पार्टी से निष्कासित कर दिया है किंतु यह वासनागत उन्माद की पराकाष्ठा है जिसमें रिश्ते तार तार हो गये हैं।पारिवारिकता के रिश्तों को भी अब संशय की नजर से देखा जायेगा।इसके पूर्व भी पन्ना में रिश्तों को कलंकित करने वाला मामला दर्ज हुआ था।संयोग से वे भी इसी दल के नेता थे।क्या रसूख और सत्ता का गुमान दैहिक शोषण की आजादी का कारण बन रहा है,या यह केवल समाज को निरंतर उत्तेजक बनाये रखने के राजनीतिक तमाशों का अनिवार्य परिणाम है। रतलाम में मध्यप्रदेश की एक नवजात पार्टी के इकलौते विधायक और एक शासकीय डाक्टर के बीच खुल्ले गाली गलौज का वीडियो भी अपनी अपनी भूमिका में मगरूरियत का प्रमाण है।जो डाक्टर विधायक को अशोभनीय गालीयां दे रहा हो उसका व्यवहार मरीजों से कैसा होगा?दूसरी तरफ क्या विधायक को भी नियमित कार्यों में इतना अतिक्रमण करना चाहिये कि सरकारी कर्मचारी भी आक्रामक प्रतिक्रिया करने लगें।यह परिस्थिति खतरनाक है। जब सत्ता और पद का नशा सर चढ़ कर बोलता है तो सिस्टम टूटता है और विकृतियां पनपने लगतीं हैं। प्रदेश में घर से भागकर कथावाचक अघोरी और साधु बनने के लिये 13 नावालिग बच्चे उज्जैन में पकड़े गये हैं।उनमें से लगभग सभी ने बताया है कि वे रीलें देख देखकर भक्ति और लोकप्रियता के लिये घर छोड़ आये हैं।रील का नशा और झूठी चमक दमक किस तरह से समाज में तात्कालिक सफलता और अवसरों की तरफ भागने के लिये प्रेरित कर रही है ।तय है कि हमारा सामाजिक ताना–बाना इन मासूम महत्वाकांक्षाओं को समाधान देने मे असफल है। मजदूरों के खाते खुलवाकर साइबर अपराधियों को खाते बेचने वाले गिरोह पकड़े जा रहे है।जल्दी अरबपति बनने की ख्वाहिश,अभावों से जूझने की बजाय गरीबों की मजबूरी और अशिक्षा को लूट का साधन बना लेने की कलाकारियां खतरनाक हो रहीं हैं।पोस्ट आफिस में एक बुजुर्ग पेशनर महिला कज खाते से लाखों रुपया उड़ा लेने वाले पोस्ट आफिस कर्मचारी को भी क्या लालच की गिनीज बुक का रिकार्ड बना रहा है।ये विकृतियां एक जगह नहीं वल्कि समाज के हर हिस्से में दिखाई दे रहीं हैं। हमें एक ऐसे समाज में धकेला जा रहा है जहां थाट और एक्शन के बीच कोई टाईम डिस्टेंस नहीं है।क्रिया के बाद सोचा जा रहा है कि ऐसा क्यों किया गया?ऐसे काल प्रवाह में जब समाज फंसता है तो पछताने का भी अवसर नहीं मिलता,क्या पछतावे के पहले इस आक्रामकता को रोका जा सकता है। समाज सुधारक,लोकप्रिय कथावाचक ,राजनीतिक नेतृत्व और कार्यपालिका इस पर विचार करें,हालांकि देर तो हो ही चुकी है।

राज कपूर और भव्यता

❍ राज कपूर और भव्यता पर्याय है। उनके यहाँ भव्यता या विशालता यह दो तरह की नजर आती है। एक जो उनके सिनेमा में नजर आती है, दूसरी उनके दिल में, उनके व्यवहार में दीखती है। उन्हें भारतीय सिनेमा के स्वर्ण युग का सबसे बड़ा शोमैन कहा जाता है।

शिखर बरनवाल

राज कपूर और भव्यता पर्याय है। उनके यहाँ भव्यता या विशालता यह दो तरह की नजर आती है। एक जो उनके सिनेमा में नजर आती है, दूसरी उनके दिल में, उनके व्यवहार में दीखती है। उन्हें भारतीय सिनेमा के स्वर्ण युग का सबसे बड़ा शोमैन कहा जाता है। उन्होंने 10 फिल्में निर्देशित कीं। 'आग', 'बरसात', 'आवारा', 'श्री 420', 'संगम', 'मेरा नाम जोकर', 'बॉबी', 'सत्यमं, शिवं, सुंदरं', 'प्रेम रोग' तथा 'राम तेरे गंगा मैली' उनके द्वारा निर्देशित फिल्में हैं। 70 फिल्मों में राज कपूर ने अभिनय किया। इन 70 में से अधिकाँश सफल रहीं। इनमें से छरू दृ 'आग', 'बरसात', 'आवारा', 'श्री 420', 'संगम', शुरुआती तथा 'मेरा नाम जोकर' फिल्मों में वे स्वयं नायक हैं। उनकी दूसरी फिल्म 'बरसात' आई और इसके साथ ही वे स्टार बन गए। आज भी वे इस पद से नावजे जाते हैं।

सृष्टिनाथ के रूप में जन्मे ने फिल्म 'इंकलाब' में रनबीर राज कपूर नाम से पदार्पण किया। लेकिन परिवार की स्त्रियाँ रविंद्रनाथ टैगोर के उपन्यास के एक प्रमुख पात्र नाम गोरा से उन्हें पुकारतीं। बाद में वे परदे पर राज कपूर के नाम पर आने लगे। और वे दर्शकों के चहेते राज बन गए। 'आवारा' में वे सिस्टम के बाहर रह कर आदर्श का जीवन जीने वाले, हाशिए के आदमी को आकर्षित कर लेते हैं। उनकी यह छवि कई फिल्मों में बनी रहती है। आम आदमी के जीवन में शिक्षा के महत्व को वे दिखाते हैं। यह वह समय था, जब बँटवारे के बाद विस्थापितों का हुजूम बंबई के रहवास का हिस्सा बना। न मालूम कितनी बेकसूर औरतें अपने परिवार द्वारा ठुकरा दी गईं थीं। न जाने कितने बच्चे सड़क पर पैदा हुए थे। उनकी फिल्मों ने उस भारतीय सिनेमा की नींव डाली जो भारत के महाकाव्याधारित सिनेमा से भिन्न है। पिता पृथ्वीराज के आभा मंडल से बाहर निकल राज कपूर ने अपने आपको स्वतंत्र अभिनेता, निर्देशक, प्रड्युसर के रूप में स्थापित किया। 'आग' में वे कहते हैं, 'मैं अपनी जिंदगी खुद बनाना चाहता हूँ।' और उन्होंने अपनी जिंदगी बनाई, संग में कई अन्य लोगों की भी। वे महत्वाकांक्षी थे, अपनी फिल्म बनाने का निश्चय किया। अपना स्टूडियो खड़ा किया। अपनी टीम बनाई। साहित्यिक कृतियों पर फिल्म बनाने के चलन से हट कर अपनी फिल्में बनाई। राज कपूर की फिल्मों के भव्य सेट्स उनकी भव्य कल्पना के मूर्तिमान रूप हैं। वे अपनी फिल्मों के गानों, डॉन्स, भावुक अभिव्यक्ति, यौनिकता केलिए याद किए जाते हैं। उस काल की सर्वाधिक मँहगी अभिनेत्री नर्गिस के साथ उनकी 19 फिल्में हैं, जिसमें 'आग', 'बरसात', 'आवारा', 'श्री 420' खुद उनके द्वारा निर्देशित थीं। दोनों की रोमांटिक छवि दर्शकों को सदैव याद रहेगी। इसी जोड़ी की एक मुद्रा आर. के. फिल्म्स का 'लोगो' बना।

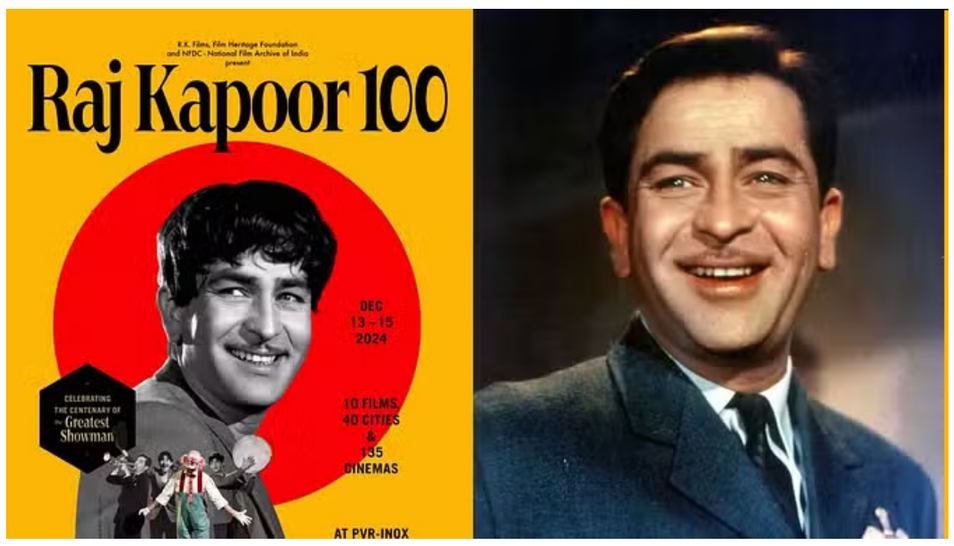

अपनी पहली फिल्म 'आग' में वे तीन बड़ी अभिनेत्रियों दृ कामिनी कौशल, नर्गिस और निगार सुल्ताना को अपने साथ लेते हैं, जबकि वे खुद अभी नए थे। इसमें वे आंतरिक और बाह्य सौंदर्य को विश्लेषित करते हैं जो आगे चल कर उनकी फिल्म 'सत्यं शिवं सुंदरं' में फिर नजर आता है। 'बरसात' के ओपनिंग सीन में प्राकृतिक भव्यता को कैमरा पकड़ता है, फिल्म कश्मीर की भव्य सुंदरता को पकड़ता है। इस हिट फिल्म के गाने, 'हवा में उड़ता जाए', 'पतली कमर है...', 'मुझे किसी से प्यार हो गया', 'जिया बेकरार है', 'बरसात में तुमसे मिले' आज भी हिट लिस्ट में हैं। और यहीं से राज कपूर की टीम बननी शुरु हुई। संपादक जी. जी. मायकर, मुकेश, लता, शंकर–जयकिशन, अल्लाउद्दीन, अरुण भट्ट से शुरु हुई टीम में बाद में राधू करमाकर, मुकेश, रफी जुड़े। टीम भी उन पर जान छिड़कती थी। आदमी को पहचाना, उसकी इज्जत करना वे जानते थे। यह उनका बड़प्पन था कि शैलेंद्र को 'कविराज', 'पुश्किन' कहते थे, उनके घर जाकर उनकी बराबरी में कुर्सी पर नहीं बैठते थे।

इंटरनेशनल प्रसिद्धि की 'श्री 420' के गानों राष्ट्रीय गीत जैसा दर्जा पाने वाला 'मेरा जूता है जापान', 'दिल का हाल सुने दिल वाला', 'रमैया वस्तावैया', 'प्यार हुआ इकरार हुआ', 'मुड़ मुड़ के न देख', ईचक दाना' ने

धूम मचाई। याद कीजिए इसके क्लब के सेट को। और याद कीजिए 'आवारा' का भव्य स्वप्न दृश्यबंध जिसे फिल्माने में कितनी मेहनत लगी थी, इसी फिल्म का जज का भव्य बंगला। 'संगम' ('बोल राधा बोल', ये मेरा प्रेम पत्र पढ़ कर', 'हर दिल जो प्यार करेगा', 'मैं का करूँ राम', 'दोस्त दोस्त न रहा', 'ओ महबूबा'), 'बॉबी' ('मैं शायर तो नहीं', 'झूठ बोले', 'हम तुम इक कमरे में', 'अखियों को रहने दो') सबके गाने हिट रहे और भव्यता के क्या कहने। भव्यता को लेकर उनकी ऐसी दीवानगी थी कि मंहगे–से–मंहगे उपकरण खरीदने में गुरेज न करते। और इसी भव्यता के चक्कर में उन्होंने 'मेरा नाम जोकर' बनाई जो उस समय बुरी तरह फेल हुई। कोई शिखर पर कितने दिन टिकेगा?

असल में यहाँ तक उनकी फिल्में नायक प्रधान होती थीं, इसके बाद वे नायिका प्रधान ('बॉबी', 'सत्यमं, शिवं, सुंदरं', 'राम तेरे गंगा मैली') बनाने लगे। असल में नर्गिस के बाद उनकी फिल्मों का चार्म जाता रहा, भव्यता भले कायम रही। दर्शक नर्गिस का चेहरा, उसकी सुंदरता देखता है, कभी उसका शरीर नहीं। असल में वे भी मनुष्य थे, उनमें भी मानवीय कमजोरियाँ थीं। रोमांटिक थे, स्वप्नदर्शी थे साथ ही बहुत पोजेसिव थे। जो उनके साथ होते उनसे अपेक्षा करते, 'मेरे अलावा किसी और को न देखना।' इसी कारण साथ वालों का किसी दूसरे के साथ काम करना उन्हें रास नहीं आता था। नर्गिस, राधु करमाकर आदि को किसी और के साथ काम करते नहीं देख सकते थे। राधू को रोकने केलिए राज कपूर ने उन्हें 'इस देश में गंगा बहती है' का निर्देशन सौंपा। बाद की फिल्मों में नायिका (डिम्पल, अभिनेत्री जीनत अमान, मंदाकिनी) की सुंदरता दर्शकों की आँख सेंकने की सामग्री सिद्ध हुई, हाँ, राज कपूर इन फिल्मों द्वारा भी बड़ा संदेश दे रहे थे।

राज कपूर में उदारता थी, टीम के सदस्यों से वे परिवार की तरह बरताव करते थे, उनके न रहने पर उनके परिवार की खोजखबर रखते। ऐसा न होता तो शैलेंद्र के गुजरने के बाद (वे राज कपूर के जन्मदिन वाले दिन गुजरे थे) बराबर उनके परिवार से मिलने न जाते। आर. के. की होली का हुड़दंग प्रसिद्ध था। खुश होते तो कार उपहार में दे देते। फिल्म की सफलता का टीम के साथ समारोह धूमधाम से मनाते। सबको दिल खोल कर उपहार देते। ऐसे भव्यता के प्रेमी की भव्य शताब्दी देश मना रहा है।

विपक्षी एलायंस को जिंदा रखने राहुल को डिस्क्रेडिट करो

हरिशंकर व्यास

यदि राहुल गांधी राजनीति से रिटायर हो जाएं, विदेश जा कर बस जाएं तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गौतम अडानी चौन की वह सांस लेंगे, जिसकी हम–आप कल्पना नहीं कर सकते हैं। इसलिए मोदीजी के भारत को आज चाहिए राहुल व सोनिया गांधी की कुरबानी। इसलिए क्योंकि राहुल को मोदी, अडानी न खरीद सकते हैं और न बोलने से रोक सकते हैं। जबकि सोनिया गांधी इसलिए समस्या हैं क्योंकि वह पुत्रमोह में हैं और इसके चलते वे उनसे कांग्रेस की कमान नहीं लेती हैं तो जिद्दी राहुल को बोलने से रोक भी नहीं सकतीं! यही वह सत्व–तत्व है, जिस पर यह राजनीति है, प्रायोजित मीडिया से हल्ला है कि श्इंडिया' ब्लॉक की लीडरशीप के लायक कांग्रेस नहीं है। इसलिए ममता बनर्जी श्इंडिया' ब्लॉक की नेता बने। नैरेटिव बनाया जा रहा है कि कांग्रेस को लेकर परस्पेशन डाउन है तो विपक्ष के एलायंस को बचना है तो किसी दूसरी पार्टी का नेता श्इंडिया' ब्लॉक की लीडरशीप संभाले। जाहिर है राहुल गांधी को डिस्क्रेडिट करो, उसे हाशिए में रखो ताकि विपक्षी एलायंस जिंदा रह सके!

इस तरह की राजनीति को मैं जनता पार्टी याकि मोरारजी देसाई, चरण सिंह, मधु लिमये, राजानारायण के समय से देखता आ रहा हूं। धीरूभाई अंबानी के दिनों में वीपी सिंह, देवीलाल, शरद यादव के राज में

थी। अंबानी के समय श्चांदी की जूतियों' का जुमला था। लेकिन तब और अब का फर्क यह है कि इन दिनों सेठ ही सरकार है और श्नोटों से भरे कंटेनरों' से चुनाव जैसे जुमले हैं। इतिहास की कथाओं, दंतकथाओं का यह सत्य है, जो दिल्ली में मुगल दरबार और अंग्रेजों से नेहरू के समय तक भारत के धनपति या जगत सेठ नजराना पेश कर सकते थे लेकिन वे शासन चलाने की औकात नहीं रखते थे। अंग्रेजों ने लूटा लेकिन देशी सेठों के भ्रष्टाचार पर मोहर नहीं लगाई। टाटा–बिड़ला, अपनी उद्यमशीलता में बने थे और इनकी कंपनियां अंग्रेज कंपनियों से कंपीट करते हुए थीं। बिड़ला में हिम्मत थी जो गांधी को अपने घर में ठहराते थे। उन्हें चंदा देते थे!

क्या आज किसी भारतीय सेठ की हिम्मत है जो सरकार के नंबर एक विरोधी राहुल गांधी को बुलाए, ठहराए। वह पहले नरेंद्र मोदी से मिल कर अनुमति लेगा। तब शादी में आमंत्रित करने की हिम्मत कर सकेगा। जाहिर है राहुल गांधी की वह निडरता व फकीरी है जो अपने हाल में राजनीति करते हुए है। भले पार्टी भूखे मरे या कडकी में रहे! ईमानदारी से सोचें, पिछले दस वर्षों की राजनीति तथा मोदी–अडानी के वर्चस्व में विपक्षी नेताओं के व्यवहार का लब्बोलुआब निकालें तो क्या निकलेगा? क्या यह नहीं कि सरकार का विरोध तो राहुल गांधी से ही है। यदि मोदी ने सत्ता का पहाड़ अपनी ऊंगली पर उठाया हुआ है तो राहुल गांधी की ऊंगली पर विपक्ष का पहाड़ है। राहुल गांधी ही वह बला हैं, जिससे राफेल से अडानी तक का मसला घर–घर पहुंचा है। और यह इसी सप्ताह भाजपा के फ्रांसीसी मीडिया समूह श्मीडिया पार्ट' के हवाले आरोप से मालूम हुआ कि यह वेबसाइट राफेल के पीछे अभी भी पड़ी हुई है। भाजपा ने इसके हवाले जो आरोप लगाए उन पर श्मीडिया पार्ट' ने उलटे यह बयान दिया है कि भाजपा झूठ बोल रही है। उसके दावे गलत हैं तथा अब यह एक स्थापित तथ्य है कि मोदी सरकार 36 राफेल लड़ाकू विमानों की खरीद संबंधी भ्रष्टाचार के मामले को हर कीमत पर दफन करने की कोशिश कर रही है। फ्रांसीसी न्यायिक जांच में बाधक रही है। मतलब यह कि फ्रांस में मामला खत्म नहीं, बल्कि घसीटते हुए अभी भी जिंदा है। ये सारे बवाल खत्म हो जाएं बशर्ते राहुल गांधी राजनीति छोड़ दें। राहुल की आवाज मौन हो जाए। मुझे नहीं लगता ममता बनर्जी या शरद पवार या एक्सवाईजेड दूसरा कोई नेता श्इंडिया' ब्लॉक का चेयरमेन बना तो राहुल गांधी का बोलना बंद होगा। मगर हां, यह संभव है।

तानाशाही की ओर एक और कदम

लम्बे समय से जिस श्एक देश एक चुनावश् की बात हो रही थी, तत्सम्बन्धी विधेयक अंततरू मंगलवार को लोकसभा में पेश कर ही दिये गये। केन्द्रीय संसदीय कार्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने देश भर में लोकसभा व विधानसभा चुनाव एक साथ कराने (संशोधन क्रमांक 129) तथा संघ प्रदेशों से सम्बन्धित प्रावधान वाले विधेयकों को प्रस्तुत किया। इस पर मत विभाजन होने के कारण इस पर वोटिंग कराई गई। पक्ष में 269 और विपक्ष में 198 मत पड़े। इसके बाद इसे पुर्नस्थापित करने के उद्देश्य से संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के पास भेजा गया। वैसे इस प्रस्ताव पर बोलते हुए केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि कैबिनेट में जब यह प्रस्ताव लाया गया था तभी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा था कि इसे जेपीसी को भेजा जाना चाहिये। याद हो कि इस आशय का प्रस्ताव लाना पहले से ही केन्द्र की भारतीय जनता पार्टी की मंशा रही है जिसके लिये उसने इसी लोकसभा चुनाव के पहले पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता में 2 सितम्बर, 2023 को एक समिति बनाई थी। लगभग 7 माह बाद उसके द्वारा पेश की गयी रिपोर्ट में इस आशय की अनुशंसा की थी। समिति ने दो चरणों में ये चुनाव कराने की सिफारिश की है। पहले चरण में लोकसभा व विधानसभा–संघ प्रदेश के चुनाव हों और दूसरे चरण में नगरीय निकायों के। दूसरे चरण के मतदान पहले चरण का चुनाव सम्पन्न हो जाने के 100 दिनों के भीतर हो जाने चाहिये। समिति ने इसे 2029 या 2034 तक लागू करना सम्भव बतलाया है। 129वें संशोधन के रूप में ये बिल लाये गये हैं। जैसा कि अनुमान था, इन विधेयकों का विपक्ष की ओर से पुरजोर विरोध किया गया। मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस ने इस प्रस्ताव को संविधान के मूल ढांचे पर हमला और देश को तानाशाही की ओर ले जाने वाला कदम बताया। कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने कहा कि यह बिल सरकार को वापस ले लेना चाहिये। कांग्रेस तथा अन्य विपक्षी दलों ने मांग की कि बिल को जेपीसी के पास भेजा जाये। वैसे तो इस प्रस्ताव को पारित कराना सत्तारुढ़ दल के लिये आसान नहीं है क्योंकि इसके लिये उसे दो तिहाई का बहुमत चाहिये जो उसके पास नहीं है। मतदान में जब तक 50 फीसदी से ज्यादा वोट पक्ष में नहीं पड़ते, इसे कानून नहीं बनाया जा सकता। 543 सीटों वाली भाजपा प्रणीत नेशनल डेमोक्रेटिक एलायंस के पास कुल 292 सदस्य हैं जबकि दो तिहाई का आंकड़ा 362 का होता है। राज्यसभा में भाजपा–एनडीए की 112 सीटें हैं तथा उसे 6 मनोनीत सांसदों का समर्थन है। यहां विपक्ष की 85 सीटें हैं। इस उच्च सदन में दो तिहाई का आंकड़ा 164 का होता है। उल्लेखनीय है कि जब रामनाथ कोविंद समिति ने इस पर राजनीतिक दलों की राय मांगी थी तो 32 प्रमुख राजनीतिक दलों ने इसका समर्थन किया था और 15 ने विरोध। जिन दलों ने विरोध किया था उनके लोकसभा मे 205 सदस्य हैं। इसका अर्थ यह है कि विपक्षी दलों के बिना ये विधेयक कानून का रूप नहीं ले सकते। इसलिये सरकार की कोशिश है कि दोनों प्रस्तावों पर आम राय बनाई जाये, जिसकी सम्भावना बहुत कम है। बीजू जनता दल का कहना है कि इस पर विस्तृत चर्चा होनी चाहिये। जहां तक जेपीसी की बात है तो उसका अध्यक्ष और बहुमत दोनों ही भाजपा का होगा। ऐसे में विरोधी दलों की आवाज को वैसा ही नजरंदाज कर दिया जायेगा जिस प्रकार से अनेक समितियों में होता आया है। वैसे तो जिन कारणों से एक साथ चुनाव कराये जाने की सिफारिश की गयी है उनमें से प्रमुख है बार–बार होने वाले चुनावों पर समय और खर्च को बचाना। संसाधनों की बचत, काले धन पर लगाम आदि जैसे इसके अन्य फायदे बतलाये गये थे। बार–बार होने वाले चुनावों से विकास कार्य अवरूद्ध होने की भी बात कही गयी थी। दूसरी तरफ कहा गया कि इसके चलते वोटिंग पैटर्न पर असर पड़ेगा क्योंकि लोकसभा और विधानसभा के चुनाव अलग–अलग मुद्दों पर लड़े जाते हैं। लोकसभा की छाया में चुनाव होता है तो स्थानीय मुद्दे दब जायेंगे जिसका सबसे बड़ा नुकसान क्षेत्रीय दलों को होगा। इसके अलावा छोटी पार्टियों को दोनों चुनावों के लिये पर्याप्त संसाधन जुटाने मुश्किल होंगे। फिलहाल दो चुनावों के बीच अंतराल होने से क्षेत्रीय दल चरणों में संसाधनों की व्यवस्था कर सकते हैं। हालांकि सरकार इससे पैसे बचाने की बात करती है लेकिन उसका भी खर्च बढ़ेगा क्योंकि उसे अधिक ईवीएम की जरूरत पड़ेगी तथा ज्यादा कर्मचारी–अधिकारी लगाने होंगे। फिलहाल एक मतदाता जितना समय वोट करने में लगाता है उसे दोगुना समय लगेगा। यह भी सोचना होगा कि एक दिन में कैसे दोगुने वोट डाले जा सकेंगे। वैसे यह माना जा रहा है कि यह कानून भाजपा अपने लाभ के लिये ला रही है। वह देश क्या दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी है जिसके पास न पैसों की कमी है और न ही कार्यकर्ताओं की। केन्द्र के साथ अनेक राज्यों में उसी की सरकारें हैं। उसने पहले से ही इलेक्टोरल बॉड्स और अन्य तरीकों से धन इकठ्ठा कर रखा है। भाजपा ने चुनावी प्रचार अभियानों को पहले से ही बेहद खर्चीला कर दिया है जिसका मुकाबला अन्य दलों के लिये करना अभी ही मुश्किल है। फिर, भाजपा अपने विरोधियों को कैसे संसाधन विहीन करती है, वह इसी लोकसभा चुनावों के दौरान सभी ने देखा है। उसने ऐन चुनाव के पहले कांग्रेस के खातों को आयकर विभाग के जरिये सील करा दिया था। एक देश एक चुनाव अपना वर्चस्व बनाने के अतिरिक्त और कुछ भी नहीं है। अभी ही जब केन्द्रीय निर्वाचन आयोग छोटे–छोटे राज्यों के चुनाव एक साथ नहीं करा पाता तो कैसे उम्मीद की जाये कि वह देश के सारे राज्यों की विधानसभाओं व संघ प्रदेशों के चुनाव लोकसभा के साथ करा सकेगा। निष्पक्षता और पारदर्शिता की बात तो बाद में आयेगी। यह एक देश एक चुनाव नहीं वरन तानाशाही की ओर एक बड़ा कदम है।

नए टर्मिनल में हाईटेक होगी व्यवस्था, एक घंटे में 38 विमानों की होगी आवाजाही

वाराणसी। लाल बहादुर शास्त्री अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर नए टर्मिनल का निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है। तीन साल में बनकर तैयार होने वाले 75000 वर्ग मीटर का नया टर्मिनल भवन पांच हजार यात्रियों की क्षमता का होगा। सालाना एक से डेढ़ करोड़ यात्रियों की आवाजाही इस एयरपोर्ट पर होगी। तीन मंजिला नए टर्मिनल बनने के बाद हर एक घंटे में 38 विमानों की आवाजाही होगी। एक साथ 36 विमान भी खड़े हो सकेंगे। वाराणसी समेत पूर्वांचल के यात्रियों को इससे बड़ी सहूलियत होगी। एयरपोर्ट पर नए टर्मिनल भवन का काम चल रहा है। एयरपोर्ट अधिकारियों ने बताया कि एयरपोर्ट के विस्तारीकरण के लिए 2870 करोड़ रुपये मंजूर हुए।

विस्तारीकरण के लिए कुल 360 एकड़ भूमि को लिया जाना था, जिसमें से 180 एकड़ भूमि को अधिग्रहीत कर लिया गया। एयरपोर्ट के आसपास के घमहापुर, रघुनाथपुर, कर्मी, सगुनहा और बसनी, पठकान गांव की जमीनों का अधिग्रहण हुआ और किसानों को उनकी जमीनों का मुआवजा भी दे दिया गया। बाबतपुर एयरपोर्ट पर मौजूदा समय में रोजाना 60 से 70 विमान और लगभग 10 से 12 हजार यात्रियों की रोजाना आवाजाही होती है। नए टर्मिनल बनने के बाद अंतरराष्ट्रीय उड़ानों और यात्रियों की संख्या में वृद्धि होगी। यात्रियों व विमानों की संख्या दोगुनी हो जाएगी।

8 एयरोब्रिज, 72 चेक–इन काउंटर और आईएलएस कैट थ्री प्रणाली से लैस होगा एयरपोर्ट

एयरपोर्ट पर रनवे विस्तार, आईएलएस कैट थ्री प्रणाली, विमान हेंगर, रडार प्रणाली, कार्गो टर्मिनल, 8 एयरो ब्रिज, 72 चेक–इन काउंटर और अन्य कई अत्याधुनिक सुविधाएं विकसित होंगी। नए टर्मिनल बनने के बाद बोइंग विमान भी उतर सकेंगे। मल्टीलेवल पार्किंग का काम जोरों पर चल रहा है। 1450 कार पार्किंग की क्षमता के हिसाब से निर्माण कार्य कराया जा रहा है। आठ कन्वेयर बेल्ट, पांच एक्स बीआईएस मशीनें, कोड सी प्रकार के विमानों के लिए 20 अतिरिक्त पार्किंग–वे का भी निर्माण कराया जा रहा है।

तथ्य छिपाकर राहत पाने वाले याची की आई शामत

3 शादी करने के बाद की ये हरकत, अंतरिम सुरक्षा की याचिका रद्द

वाराणसी। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने तथ्य छिपाकर राहत पाने वाले याची जितेंद्र यादव पर 50 हजार रुपये का हर्जाना लगाया है। साथ ही याची के विरुद्ध एसएचओ चेतगंज, वाराणसी को जांच करने का निर्देश दिया है। कहा है कि यदि संज्ञेय अपराध की बात सामने आती है तो मुकदमा दर्ज किया जाए। साथ ही उसे दी गई अंतरिम सुरक्षा का आदेश रद्द कर याचिका खारिज कर दी। यह आदेश न्यायमूर्ति विनोद दिवाकर ने शिवांगी सिंह व जितेंद्र यादव की याचिका पर दिया है। अपनी मर्जी से शादी करने वाले याचियों ने परिवार से जीवन को खतरा बता सुरक्षा मांगी थी। हाईकोर्ट ने पुलिस कमिश्नर वाराणसी को सुरक्षा देने का निर्देश दिया था। इसके बाद विपक्षी परिवार की ओर से अर्जी दाखिल कर कहा गया कि कोर्ट को गुमराह कर अंतरिम राहत मांगी गई। जितेंद्र यादव ने 17 मार्च 2013 को प्रियंका यादव से शादी की। इसके बाद 13 मार्च 2019 को शिखा यादव से शादी की। इसके बाद 29 सितंबर 2023 को याची शिवांगी सिंह से शादी की है। तीन शादियां कीं, लेकिन तलाक किसी से भी नहीं लिया। कोर्ट से तथ्य छिपाकर राहत ली गई है। कोर्ट ने याचियों को तलब किया। पुलिस कमिश्नर को इन्हें पेश करने का आदेश दिया। साथ ही न्यायालय ने याची जितेंद्र के खिलाफ आरोपों की जांच कर कार्रवाई का निर्देश दिया है।

35 उपभोक्ताओं से 1.80 लाख रुपये वसूले

सूरजपुर। दोहरीघाट विकास खंड क्षेत्र के सूरजपुर विद्युत उपकेंद्र के अवर अभियंता अरुण कुमार पांडेय के नेतृत्व में क्षेत्र के चकउथ में एक मुश्त समाधान योजना के तहत शिविर का आयोजन किया गया।

डिजिटल एक्सरे का प्रिंटर खराब, मरीज परेशान

चंदौली। पं. कमलापति त्रिपाठी संयुक्त जिला अस्पताल में डिजिटल एक्स–रे का प्रिंटर पिछले खराब हो गया। इसके मरीजों को परेशानी का सामना करना पड़ेगा। मरीज अपने मोबाइल में फिल्म लेकर इलाज करा रहे हैं। पं. कमलापति त्रिपाठी संयुक्त जिला अस्पताल में रोज 1000 मरीज ओपीडी में आते हैं। इसमें 200 ऐसे मरीज ऐसे होते हैं, जिन्हें डिजिटल एक्स–रे कराने के लिए लिखा जाता है। पिछले दो दिन से एक्स–रे मशीन का प्रिंटर खराब है, जिसके कारण मरीजों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। मरीज अपने मोबाइल में फिल्म लेकर चिकित्सकों के पास इलाज कराने पहुंच रहे हैं।

छात्रा का मोबाइल छीनकर फरार हुए बाइक सवार,24 घंटे पहले हुई थी डेढ़ लाख की छिनैती

अमेठी (यूएनएस)। अमेठी कस्बे का बाईपास इन दिनों अपराधियों के लिए सुरक्षित अड्डा बनता जा रहा है। ताजा मामला मंगलवार शाम का है, जब कॉलेज से घर लौट रही एक छात्रा से बाइक सवार बदमाशों ने मोबाइल छीन लिया और फरार हो गए। घटना के बाद छात्रा ने तत्काल डायल 112 पर सूचना दी, जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंचकर जांच में जुट गई। यह घटना अमेठी कोतवाली क्षेत्र के प्रतापगढ़ रोड स्थित इफको केंद्र के पास हुई। मुंशीगंज कॉलेज में पढ़ने वाली शालू गुप्ता, जो संग्रामपुर थाना क्षेत्र के तारापुर गांव की रहने वाली है, कॉलेज से अपने घर लौट रही थी। रास्ते में, जब उसके परिजनों का फोन आया और उसने बातचीत शुरू की, तभी पीछे से बाइक सवार दो बदमाश आए और झपट्टा मारकर उसका मोबाइल छीनकर भाग निकले। छात्रा ने घटना के बाद शोर मचाया, जिससे आसपास के राहगीर इकट्ठा हो गए। राहगीरों के फोन से शालू ने पुलिस को घटना की जानकारी दी। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और डायल 112 की टीम घटनास्थल पर पहुंच गई। इससे पहले, सोमवार की शाम को इसी बाईपास पर एक और बड़ी छिनैती की वारदात हुई थी। बैंक से पैसे निकालकर घर जा रहे एक युवक की गाड़ी का शीशा तोड़कर बदमाश डेढ़ लाख रुपये लेकर फरार हो गए थे। लगातार हो रही छिनैती की घटनाओं ने स्थानीय लोगों में दहशत पैदा कर दी है। बाईपास पर बढ़ती वारदातों ने सुरक्षा व्यवस्था की पोल खोल दी है। लोगों ने पुलिस से इलाके में गश्त बढ़ाने और अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने मामले में तफ्तीश शुरू कर दी है और अपराधियों की पहचान के लिए आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। अधिकारियों का कहना है कि दोषियों को जल्द से जल्द पकड़ने की कोशिश की जा रही है।

ट्रक चालक को जूतों से पीटा:रामबाग फ्लाई ओवर पर कार में हुई टक्कर

आगरा (यूएनएस)। आगरा के थाना एत्माद्दौला क्षेत्र में हाईवे पर कार और ट्रक की टक्कर हो गई। हादसे के बाद गुस्साए कार चालक ने ट्रक चालक को नीचे उतार लिया। उसके साथ मारपीट कर दी। उसे जूतों से पीटा। पिटाई का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।मामला रामबाग फ्लाई ओवर का है। लोगों ने बताया कि यहां पर एक कार चालक गलत दिशा में आ रहा था। सामने से ट्रक आ रहा था। कार और ट्रक की आमने–सामने टक्कर हो गई। इसमें कार डिवाइडर पर चढ़ गई। हादसे के बाद कार चालक बौखला गया। उसने ट्रक चालक को नीचे उतार लिया। मारपीट शुरू कर दी। इतने पर भी वो नहीं रुका। उसने अपना जूता उतार लिया और ट्रक चालक को पीटना शुरू कर दिया। आसपास लोगों की भीड़ लग गई। मगर, किसी ने कार चालक को नहीं रोका। पिटाई का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर पलटी बस,4 यात्री घायल

अमेठी (यूएनएस) ।जनपद के पूर्वांचल एक्सप्रेस–वे पर सड़क हादसे कम होने का नाम नहीं ले रहे हैं। आज दोपहर लखनऊ से गाजीपुर की तरफ जा रही तेज रफ्तार निजी बस कार को ओवरटेक करने के चक्कर मे पलट गई। हादसे में बस सवार एक दर्जन से अधिक यात्री घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची एंबुलेंस ने कई घायलों का मौके पर इलाज किया, जबकि गंभीर रूप से घायल महिला समेत चार लोगों को इलाज के लिए बाजार शुकुल सीएचसी में भर्ती कराया गया है। सभी घायल गोरखपुर जिले के अलग–अलग थाना क्षेत्रों के रहने वाले हैं। पूरा मामला अमेठी के बाजार शुकुल थाना क्षेत्र और सुल्तानपुर जिले के हलियापुर थाना क्षेत्र के बॉर्डर पर स्थित पूर्वांचल एक्सप्रेस–वे के किलोमीटर संख्या 76.9 का है। आज दोपहर लखनऊ से गाजीपुर की तरफ जा रही तेज रफ्तार निजी बस सामने जा रही कार को ओवरटेक करने के चक्कर में अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में बस पर सवार एक दर्जन यात्री घायल हो गए। घटना की जानकारी मिलते ही यूपीडा पेट्रोलिंग टीम और एसओ हरि सिंह दो एम्बुलेन्स के साथ मौके पर पहुंचे और घायलों का इलाज शुरू करवाया। गंभीर रूप से घायल हरिलाल पुत्र राम् ब्रिज, रामकुमार पुत्र राम हरख, निशा पुत्री राधेश्याम और राम कुमार पुत्र सार्थ को इलाज के लिए बाजार शुकुल सीएचसी में भर्ती कराया गया। सभी घायल गोरखपुर जिले के अलग–अलग थाना क्षेत्रों के रहने वाले हैं। हादसे के बाद यूपीडा की टीम एक्सप्रेस वे पर पलटी बस को हटाने में जुटी हुई है।

रथयात्रा निकालकर दिया गया छप्पन भोग महोत्सव का आमंत्रण

आगरा (यूएनएस)। आगरा में श्री गिरिराज जी सेवक मंडल परिवार के सदस्यों ने मनकामेश्वर मंदिर रावत पाड़ा से विशाल आमंत्रण रथयात्रा निकाली। यात्रा में शामिल महिला–पुरुष सदस्यों ने शहरवासियों को गोवर्धन छप्पन भोग महोत्सव का आमंत्रण दिया। सामाजिक संस्था श्री गिरिराज जी सेवक मंडल परिवार द्वारा 22 और 23 दिसंबर को गोवर्धन में दुग्धधारा परिक्रमा और छप्पन भोग महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। शहरवासियों को कार्यक्रम में बुलाने के लिए समिति पदाधिकारियों ने बैंड बाजों के साथ बुधवार दोपहर आमंत्रण रथ यात्रा निकाली। लोगों को महोत्सव में शामिल होने का आमंत्रण दिया। रथयात्रा के दौरान समिति से जुड़े महिला और पुरुष सदस्य एक जैसे वेष में नजर आए। रथ पर विराजमान श्री गिरिराज जी की आरती उतारने के साथ आमंत्रण यात्रा का शुभारंभ किया गया। आमंत्रण यात्रा रावतपाड़ा बाजार से शुरु हुई। इसके बाद किनारी बाजार, जौहरी बाजार, समेत अन्य मार्गों पर होते हुए मनकामेश्वर पर समाप्त हुई। यात्रा के दौरान महिला–पुरुषों में जबरदस्त उत्साह नजर आया। सभी भक्ति के रस में झूमते गाते यात्रा में आगे बढ़ते रहे। भक्तों के बीच मक्खन मिश्री का प्रसाद वितरित किया गया।भक्तों के लिए समिति ने की है बस की व्यवस्थामहोत्सव में शामिल होने के लिए समिति पदाधिकारियों ने बस की व्यवस्था भी की है। जो भी श्रद्धालु महोत्सव में शामिल होने चाहते हैं। वो समिति की बस से निशुल्क गोवर्धन जा सकते हैं। कविता अग्रवाल ने बताया कि 22 दिसंबर को समिति सदस्य गिरिराज जी की दुग्ध धारा परिक्रमा लगाएंगे। उर्मिला माहेश्वरी ने बताया कि 23 दिसंबर को गोवर्धन में छप्पन भोग और विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा। श्री गिरिराज महाराज का भव्य श्रृंगार किया जाएगा।

सीएमओ ने अनुपस्थित कर्मियों का वेतन रोका, बाहर की दवा लिखने पर कार्रवाई की चेतावनी

अमेठी (यूएनएस) ।सीएमओ अंशुमान सिंह का अस्पतालों में ताबड़तोड़ औचक निरीक्षण लगातार जारी है। आज सीएमओ ने जगदीशपुर ट्रामा सेंटर और सीएचसी का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कई कर्मचारी अनुपस्थित मिले, जिस पर सीएमओ ने नाराजगी जताते हुए सभी कर्मचारियों का एक दिन का वेतन रोकने का आदेश दिया ।सीएमओ ने सख्त निर्देश दिया कि लैब की रिपोर्ट 48 घंटे के अंदर मरीजों को उपलब्ध करा दी जाए। इसके साथ ही डॉक्टरों द्वारा बाहर की दवा और बाहर की जांच लिखने पर कड़ी कार्रवाई करने का भी निर्देश दिया ।अमेठी सीएमओ अंशुमान सिंह पिछले कई दिनों से जिले के सीएचसी और पीएचसी का औचक में निरीक्षण कर स्वास्थ्य व्यवस्थाओं की हकीकत को परख रहे हैं। एक दिन पहले सीएमओ ने संग्रामपुर सीएचसी का औचक निरीक्षण किया था तो आज सीएमओ ने जगदीशपुर ट्रामा सेंटर और सीएचसी का औचक। निरीक्षण किया ।निरीक्षण के दौरान सीएचसी में आधा दर्जन से अधिक कर्मचारी अनुपस्थित मिले, जिस पर सीएमओ ने नाराजगी जताते हुए सभी कर्मचारियों के एक दिन का वेतन रोकने का आदेश दिया। इसके साथ ही अस्पताल परिसर में गंदगी मिलने पर 24 घंटे का अल्टीमेटम देते हुए अस्पताल प्रशासन को साफ सफाई कराने का आदेश दिया। सीएमओ ने लैब कर्मचारियों को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि 48 घंटे के भीतर मरीजों द्वारा जांच कराई गई रिपोर्ट को उनको सौंप दिया जाए। अगर किसी भी डॉक्टर द्वारा बाहर की दवा लिखी गई या फिर जांच के लिए मरीजों को बाहर भेजा गया तो उस पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

सभी बड़े कांग्रेस नेता हाउस अरेस्ट,घरों के बाहर पुलिस बल तैनात

अमेठी (यूएनएस)। लखनऊ में आज होने वाले कांग्रेसियो के विधानसभा घेराव को कमजोर करने के लिए जिले की पुलिस पूरी तरह से मुस्तैद है। बुधवार की सुबह से ही पुलिस ने जिले के सभी बड़े कांग्रेस नेताओं के घरों के बाहर पहरा लगा दिया है और सभी कांग्रेस नेताओं को हाउस अरेस्ट कर लिया। पुलिस किसी भी सूरत में कांग्रेसियों को लखनऊ नहीं जाने देना चाहती है। दरअसल कई मुद्दों को लेकर राहुल गांधी और प्रियंका गांधी के निर्देश पर उत्तर प्रदेश कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय के नेतृत्व में आज बड़ी संख्या में कांग्रेसी विधानसभा का घेराव करने वाले हैं। विधानसभा घेराव को लेकर पूरे प्रदेश में पिछले कई दिनों से रूपरेखा तैयार कर की जा रही थी और जिले जिले कांग्रेस के बड़ी नेता जाकर नेताओं और कार्यकर्ताओं में जोश भरने का काम कर रहे थे। अमेठी में भी तीन दिन पहले पूर्व मंत्री राजेश तिवारी ने कांग्रेस कार्यालय में कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ बैठक कर अधिक से अधिक संख्या में लखनऊ पहुंचने का आह्वान किया। आज लखनऊ में होने वाले विधानसभा घेराव के पहले ही पुलिस पूरी तरह से एक्टिव मोड में आ गई। कल सुबह से ही पुलिस ने जिले के सभी बड़े कांग्रेस नेताओं के घरों के बाहर पुलिस का तगड़ा पहरा लगा दिया। कांग्रेस के जिला अध्यक्ष प्रदीप सिंघल, युवा जिला अध्यक्ष शुभम सिंह, युवा कांग्रेस के प्रदेश प्रदेश सचिव प्रांजल तिवारी, कांग्रेस नेता इशरत हुसैन के अलावा जिले के करीब एक दर्जन कांग्रेस नेताओं को कल से ही हाउस अरेस्ट कर लिया गया है। कांग्रेस नेताओं के घरों के बाहर बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है और कांग्रेस नेता को घर से निकलने की इजाजत नहीं है। अमेठी पुलिस किसी भी सूरत में जिले के किसी भी बड़े कांग्रेस नेता को लखनऊ नहीं जाने देना चाहती है। हाउस अरेस्ट को लेकर युवा कांग्रेस अध्यक्ष शुभम सिंह ने कहा कि हम लोगों को आज विधानसभा का घेराव करना था, लेकिन पुलिस ने तानाशाही रवैया अपनाते हुए जिले के सभी नेताओं को हाउस अरेस्ट कर लिया है यह योगी और मोदी की तानाशाही है।

22 दिसंबर को होगा रक्तदान शिविर का आयोजन

आगरा (यूएनएस)। आगरा में 22 दिसंबर को विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा। बुधवार दोपहर समिति पदाधिकारियों ने बल्केश्वर स्थित सकारात्मक भवन में कार्यक्रम के पोस्टर का विमोचन किया। पत्रकारों के कार्यक्रम के विषय में जानकारी प्रदान की। रक्तदान को महादान माना गया है। रक्तदान से किसी को जीवनदान दिया जा सकता है। जरूरतमंद की जान बचाई जा सकती है। रक्त के अभाव में किसी की जान न जाए इसे देखते हुए अग्रबंधु समन्वय समिति द्वारा 22 दिसंबर को विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा। शिविर में समिति से जुड़े सदस्य और उनके परिजन रक्तदान करेंगे। लोगों को संदेश देंगे कि रक्तदान करने से मनुष्य के शरीर को किसी तरह का नुकसान नहीं होता शिविर का आयोजन लोकहितम ब्लड बैंक कमला नगर में आयोजित किया जाएगा। समिति पदाधिकारी एवं पार्षद मुरारी लाल गोयल ने बताया कि दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे तक रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा। शिविर में समिति सदस्य तो रक्तदान करेंगे ही। शहर से इच्छुक रक्तदाता भी अपना रक्तदान करने के लिए शिविर में शामिल हो सकते हैं। एकत्रित हुए रक्त को जरूरतमंद मरीज की रक्षा के लिए इस्तेमाल किया जाएगा।

एक्सीडेंट में सगे भाइयों की मौत,अनियंत्रित होकर पेड़ से टकराई बुलेट

गोण्डा (यूएनएस)। जिले के इटियाथोक थाना क्षेत्र में बुधवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में दो सगे भाइयों की जान चली गई। बुलेट मोटरसाइकिल अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पेड़ से टकरा गई, जिससे बुलेट के परखच्चे उड़ गए और उस पर सवार दोनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे की सूचना पर इटियाथोक कोतवाली पुलिस ने मौके पर पहुंचकर ग्रामीणों की मदद से दोनों युवकों को बाहर निकाला। उन्हें तुरंत एंबुलेंस से इटियाथोक सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां डॉक्टर ने छोटे भाई दिलीप कुमार यादव (27) को मृत घोषित कर दिया। बड़े भाई सूरज कुमार यादव (35) को गंभीर हालत में जिला अस्पताल भेजा जा रहा था, लेकिन रास्ते में ही उसने दम तोड़ दिया। जानकारी के अनुसार, दोनों भाई परसरामपुर अहिरनपुरवा गांव के निवासी थे। सूरज कुमार यादव पंजाब के भटिंडा में फलमंडी में पल्लेदारी का काम करता था और बुधवार को घर लौट रहा था। छोटा भाई दिलीप उसे इटियाथोक से लेने आया था। दोनों भाई बुलेट से घर लौट रहे थे, लेकिन खरगूपुर मार्ग पर बेंदुली मोड़ के पास अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गए। इस हादसे में दोनों भाइयों की मौत से गांव में मातम पसर गया। परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल है। पूरे गांव में इस घटना से शोक की लहर दौड़ गई है। इटियाथोक कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक शेषमणि पांडेय ने बताया कि दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। हादसे की जानकारी मृतकों के परिवार को दे दी गई है और पुलिस आगे की कार्रवाई कर रही है।

कब्जा मुक्त हुआ हनुमान बड़ी संगत मंदिर,बुलडोजर से प्रशासन ने हटवाया अवैध अतिक्रमण

गोण्डा (यूएनएस)। नगर कोतवाली क्षेत्र स्थित इमामबाड़ा मोहल्ले में पुराने हुनमान बड़ी संगत मंदिर की 200 साल पुरानी भूमि पर कुछ लोग अवैध रूप से कब्जा करके टीन शेड लगाकर अपने वाहन खड़ा कर रहे थे। मंदिर परिसर में फैली गंदगी भी एक गंभीर मुद्दा बन चुकी थी। इसके बाद, मंदिर के पुजारी ने गोंडा की डीएम नेहा शर्मा से इस मामले में कार्रवाई की मांग की। जिला अधिकारी ने इस शिकायत को गंभीरता से लिया और अधिकारियों को आदेश दिए कि अवैध कब्जा हटाकर मंदिर परिसर को मुक्त कराया जाए। डीएम की मौजूदगी में आज प्रशासन ने बुलडोजर से कार्रवाई करते हुए मंदिर की भूमि को अवैध कब्जे से मुक्त करवा लिया। इसके साथ ही, डीएम ने पुलिस अधिकारियों को मंदिर का निरीक्षण करने के बाद साफ–सफाई करवाने और अवैध अतिक्रमण के खिलाफ व्यापक अभियान चलाने के भी निर्देश दिए। डीएम ने यह भी चेतावनी दी कि अगर भविष्य में कोई व्यक्ति अवैध रूप से कब्जा करने की कोशिश करता है, तो उसके खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी।

महाकुम्भ मेला 2025 के दौरान विशेष रेलगाड़ियों का संचालन

भारतीय रेल द्वारा अपने सम्मानित श्रद्धालुओं/रेल यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुये महाकुम्भ मेला 2025 के दौरान विशेष रेलगाड़ियों के संचालन का निर्णय लिया है, जिसका विवरण निम्नवत है:-

गाड़ी संख्या 03021/03022 हावड़ा-टूण्डला कुम्भ मेला विशेष रेलगाड़ी (वाया डानकुनि)

गाड़ी संख्या - 03021 हावड़ा - टूण्डला				गाड़ी संख्या - 03022 टूण्डला - हावड़ा		
दिन	आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान	दिन
दिन-1	----	19:35	हावड़ा	15:20	----	दिन-4
दिन-2	08:28	08:30	मिर्ज़ापुर	21:18	21:20	दिन-3
	10:10	10:15	प्रयागराज जं.	19:00	19:05	
	11:58	12:00	फतेहपुर	16:40	16:42	
	13:45	13:50	गोविन्दपुरी	15:30	15:35	
	16:03	16:05	इटावा जं.	12:33	12:35	
	19:20	----	टूण्डला जं.	----	11:20	

अन्य ठहराव : उपरोक्त के अतिरिक्त यह गाड़ी बर्द्धमान, खाना, दुर्गापुर, आसनसोल, प्रधान खांटा, धनबाद, नेताजी सुभाष चन्द्र बोस जं. गोमो, पारसनाथ, हज़ारीबाग़ रोड, कोडरमा, गया, अनुग्रह नारायण रोड, डेहरी ऑन सोन, सासाराम, भभुआ रोड एवं पं. दीन दयाल उपाध्याय जं. स्टेशनों पर भी रुकेगी। हावड़ा से : गाड़ी संख्या 03021, दिनांक 01, 02, 03, 04, 05, 06, 07, 08, 16, 20, 24 जनवरी 2025, 05, 07, 14, 21 एवं 26 फरवरी 2025 को। टूण्डला से : गाड़ी संख्या 03022, दिनांक 03, 04, 05, 06, 07, 08, 09, 10, 18, 22, 26 जनवरी 2025, 07, 09, 16, 23 एवं 28 फरवरी 2025 को। गाड़ी संरचना : सामान्य श्रेणी- 03, स्लीपर श्रेणी- 08, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी- 04 एवं वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी- 01

गाड़ी संख्या 03023/03024 हावड़ा-टूण्डला कुम्भ मेला विशेष रेलगाड़ी

गाड़ी संख्या - 03023 हावड़ा - टूण्डला				गाड़ी संख्या - 03024 टूण्डला - हावड़ा		
दिन	आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान	दिन
दिन-1	----	00:30	हावड़ा	15:20	----	दिन-3
दिन-2	16:35	16:37	मिर्ज़ापुर	21:18	21:20	दिन-2
	18:30	18:35	प्रयागराज जं.	19:00	19:05	
	20:35	20:37	फतेहपुर	16:40	16:42	
	21:50	21:55	गोविन्दपुरी	15:30	15:35	
	00:01	00:03	इटावा जं.	12:33	12:35	
	02:30	----	टूण्डला जं.	----	11:20	

अन्य ठहराव : उपरोक्त के अतिरिक्त यह गाड़ी बैण्डेल, बर्द्धमान, खाना, दुर्गापुर, आसनसोल, प्रधान खांटा, धनबाद, नेताजी सुभाष चन्द्र बोस जं. गोमो, पारसनाथ, हज़ारीबाग़ रोड, कोडरमा, गया, अनुग्रह नारायण रोड, डेहरी ऑन सोन, सासाराम, भभुआ रोड एवं पं. दीन दयाल उपाध्याय जं. स्टेशनों पर भी रुकेगी। हावड़ा से : गाड़ी संख्या 03023, दिनांक 20, 22, 23 जनवरी 2025, 16, 17, 18 एवं 20 फरवरी 2025 को। टूण्डला से : गाड़ी संख्या 03024, दिनांक 21, 23, 24 जनवरी 2025, 17, 18, 19 एवं 21 फरवरी 2025 को। गाड़ी संरचना : सामान्य श्रेणी- 03, स्लीपर श्रेणी- 08, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी- 04 एवं वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी- 01

गाड़ी संख्या 03025/03026 हावड़ा-टूण्डला कुम्भ मेला विशेष रेलगाड़ी

गाड़ी संख्या - 03025 हावड़ा - टूण्डला				गाड़ी संख्या - 03026 टूण्डला - हावड़ा		
दिन	आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान	दिन
दिन-1	----	05:45	हावड़ा	15:20	----	दिन-3
	21:00	21:02	मिर्ज़ापुर	21:18	21:20	दिन-2
	23:10	23:15	प्रयागराज जं.	19:00	19:05	
दिन-2	00:38	00:40	फतेहपुर	16:40	16:42	
	02:00	02:05	गोविन्दपुरी	15:30	15:35	
	04:28	04:30	इटावा जं.	12:33	12:35	
	06:30	----	टूण्डला जं.	----	11:20	

अन्य ठहराव : उपरोक्त के अतिरिक्त यह गाड़ी बैण्डेल, बर्द्धमान, खाना, दुर्गापुर, आसनसोल, प्रधान खांटा, धनबाद, नेताजी सुभाष चन्द्र बोस जं. गोमो, पारसनाथ, हज़ारीबाग़ रोड, कोडरमा, गया, अनुग्रह नारायण रोड, डेहरी ऑन सोन, सासाराम, भभुआ रोड एवं पं. दीन दयाल उपाध्याय जं. स्टेशनों पर भी रुकेगी। हावड़ा से : गाड़ी संख्या 03025, दिनांक 28 फरवरी 2025 को। टूण्डला से : गाड़ी संख्या 03026, दिनांक 01 मार्च 2025 को। गाड़ी संरचना : सामान्य श्रेणी- 03, स्लीपर श्रेणी- 08, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी- 04 एवं वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी- 01

गाड़ी संख्या 03029/03030 हावड़ा-टूण्डला कुम्भ मेला विशेष रेलगाड़ी (वाया डानकुनि)

गाड़ी संख्या - 03029 हावड़ा - टूण्डला				गाड़ी संख्या - 03030 टूण्डला - हावड़ा		
दिन	आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान	दिन
दिन-1	----	19:35	हावड़ा	03:30	----	दिन-4
दिन-2	09:05	09:07	मिर्ज़ापुर	11:48	11:50	दिन-3
	11:10	11:15	प्रयागराज जं.	10:10	10:15	
	12:30	12:32	फतेहपुर	07:58	08:00	
	15:40	15:45	गोविन्दपुरी	06:50	06:55	
	17:03	17:05	इटावा जं.	04:28	04:30	
	20:15	----	टूण्डला जं.	----	03:00	

अन्य ठहराव : उपरोक्त के अतिरिक्त यह गाड़ी बर्द्धमान, खाना, दुर्गापुर, आसनसोल, प्रधान खांटा, धनबाद, नेताजी सुभाष चन्द्र बोस जं. गोमो, पारसनाथ, हज़ारीबाग़ रोड, कोडरमा, गया, अनुग्रह नारायण रोड, डेहरी ऑन सोन, सासाराम, भभुआ रोड एवं पं. दीन दयाल उपाध्याय जं. स्टेशनों पर भी रुकेगी। हावड़ा से : गाड़ी संख्या 03029, दिनांक 23 जनवरी 2025, 06 एवं 20 फरवरी 2025 को। टूण्डला से : गाड़ी संख्या 03030, दिनांक 25 जनवरी 2025, 08 एवं 22 फरवरी 2025 को। गाड़ी संरचना : सामान्य श्रेणी- 03, स्लीपर श्रेणी- 08, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी- 04 एवं वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी- 01

गाड़ी संख्या 03031/03032 हावड़ा-भिण्ड कुम्भ मेला विशेष रेलगाड़ी

गाड़ी संख्या - 03031 हावड़ा - भिण्ड				गाड़ी संख्या - 03032 भिण्ड - हावड़ा		
दिन	आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान	दिन
दिन-1	----	00:30	हावड़ा	03:30	----	दिन-3
	16:35	16:37	मिर्ज़ापुर	11:48	11:50	दिन-2
	18:30	18:35	प्रयागराज जं.	10:10	10:15	
	20:35	20:37	फतेहपुर	07:58	08:00	
	21:50	21:55	गोविन्दपुरी	06:50	06:55	
दिन-2	00:01	00:03	इटावा जं.	04:28	04:30	
	01:05	----	भिण्ड	----	03:30	

अन्य ठहराव : उपरोक्त के अतिरिक्त यह गाड़ी बैण्डेल, बर्द्धमान, खाना, दुर्गापुर, आसनसोल, प्रधान खांटा, धनबाद, नेताजी सुभाष चन्द्र बोस जं. गोमो, पारसनाथ, हज़ारीबाग़ रोड, कोडरमा, गया, अनुग्रह नारायण रोड, डेहरी ऑन सोन, सासाराम, भभुआ रोड एवं पं. दीन दयाल उपाध्याय जं. स्टेशनों पर भी रुकेगी। हावड़ा से : गाड़ी संख्या 03031, दिनांक 01, 18 जनवरी 2025 एवं 19 फरवरी 2025 को। भिण्ड से : गाड़ी संख्या 03032, दिनांक 02, 19 जनवरी 2025 एवं 20 फरवरी 2025 को। गाड़ी संरचना : सामान्य श्रेणी- 03, स्लीपर श्रेणी- 08, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी- 04 एवं वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी- 01

गाड़ी संख्या 03033/03034 हावड़ा-भिण्ड कुम्भ मेला विशेष रेलगाड़ी

गाड़ी संख्या - 03033 हावड़ा - भिण्ड				गाड़ी संख्या - 03034 भिण्ड - हावड़ा		
दिन	आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान	दिन
दिन-1	----	00:30	हावड़ा	03:30	----	दिन-3
	16:35	16:37	मिर्ज़ापुर	12:10	12:12	दिन-2
	18:30	18:35	प्रयागराज जं.	10:30	10:35	
	20:35	20:37	फतेहपुर	08:25	08:27	
	21:50	21:55	गोविन्दपुरी	07:15	07:20	
दिन-2	00:01	00:03	इटावा जं.	04:28	04:30	
	01:05	----	भिण्ड	----	03:30	

अन्य ठहराव : उपरोक्त के अतिरिक्त यह गाड़ी बैण्डेल, बर्द्धमान, खाना, दुर्गापुर, आसनसोल, प्रधान खांटा, धनबाद, नेताजी सुभाष चन्द्र बोस जं. गोमो, पारसनाथ, हज़ारीबाग़ रोड, कोडरमा, गया, अनुग्रह नारायण रोड, डेहरी ऑन सोन, सासाराम, भभुआ रोड एवं पं. दीन दयाल उपाध्याय जं. स्टेशनों पर भी रुकेगी। हावड़ा से : गाड़ी संख्या 03033, दिनांक 26 जनवरी 2025 को। भिण्ड से: गाड़ी संख्या 03034, दिनांक 27 जनवरी 2025 को। गाड़ी संरचना : सामान्य श्रेणी- 03, स्लीपर श्रेणी- 08, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी- 04 एवं वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी- 01

नोट:- ट्रेनों की समय-सारणी से सम्बंधित जानकारी हेतु हेल्पलाइन 139 या Rail Madad Mobile App या वेबसाइट railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

महाकुम्भ 2025 रेलवे टोल फ्री नं. 1800 4199 139 उत्तर मध्य रेलवे

@CPRONCR North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in 2141/24(A)

अमितशाह के बयान के विरोध में सपाई हुए हमलावर

प्रयागराज। राज्य सभा में मंगलवार को केंद्रीय मंत्री अमितशाह द्वारा भारत रत्न, बाबा साहब अम्बेडकर पर दिए गए बयान की सपा नेताओं ने निंदा करते हुए तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। सपा कार्यालय में बैठक कर जिलाध्यक्ष अनिल यादव एवं महानगर अध्यक्ष सैयद इफ्तेखार हुसैन ने

संयुक्त रूप से कहा है कि भाजपा संविधान के साथ लगातार खिलवाड़ कर रही है और अब तो संविधान निर्माता भारत रत्न बाबासाहब अम्बेडकर के बारे में देश के गृहमंत्री द्वारा आपत्ति जनक एवं अपमान जनक बयान देकर यह साबित कर दिया है कि भाजपा दलितों, पिछड़ों का सम्मान करना नहीं जानती है। सपा नेताओं ने बाबा साहब को पीडीए का भगवान बताते हुए कहा कि अमित शाह को देश के सामने माफी मांगनी चाहिए। अंदावा चौराहे परआशुतोष तिवारी एवं मुलायम यादव के नेतृत्व में अमित शाह के पुतले भी फूंके और आशीष पाल एडवोकेट के नेतृत्व में महामहिम राष्ट्रपति के नाम सम्बोधित ज्ञापन भी जिलाधिकारी को सौंपा। जिलाध्यक्ष अनिल यादव, महानगर अध्यक्ष सैयद इफ्तेखार हुसैन, दान बहादुर मधुर, बेला सिंह यादव, आर एन यादव, बच्चा यादव, सचिन श्रीवास्तव, अमिताभ, शांति प्रकाश पटेल,सुशील,आशुतोष तिवारी, मुलायम यादव,निहाल अहमद,आशीष पाल, मो सऊद,त्रिभुवन, मानसिंह,मो. हसीब,प्रमोद भरतिया, अंशू पाल आदि मौजूद रहे।

वेन्डिग जोन में वेन्डर्स को शिफ्ट।

प्रयागराज। पत्थर गिरजाघर से लेकर सरोजिनी नायडू मार्ग, एकलव्य चौराहा, थार्नहिल रोड, इन्दिरा गांधी चौराहा,

सर्किट हाउस, बाबा चौराहा, इलाहाबाद विश्वविद्यालय रोड, बहरना, पत्रिका चौराहा एवं कोठापार्चा, सुलाकी चौराहा, बहादुरगंज, जीरो रोड, शाहगंज चौकी तथा नैनी फूलमण्डी, पुरानी रीवा रोड वेन्डिग जोन में वेन्डर्स को शिफ्ट किया गया। 540.4 किलोग्राम पॉलिथीन जब्त किया गया जिसमें जुर्माना रू 25,000 तक नगर निगम, प्रयागराज द्वारा अतिक्रमण अभियान चलाते हुए सड़क पट्टी को अतिक्रमण मुक्त कराया गया तथा अतिक्रमण से पहले व अतिक्रमण के हटाने के बाद की फोटोग्राफी करायी गयी एवं दोनों तरफ की पटरियों साफ करायी तथा कुल जुर्माना रू 36,900 शमन शुल्क वसूला गया। अतिक्रमण हटाने में थाना सिविल लाइन्स, कैंट, कर्नलगंज, मुट्ठीगंज, शाहगंज, नैनी, प्रयागराज का सहयोग लिया गया तथा इस सम्बन्ध में सम्बन्धित थाने को अवगत करा दिया गया है कि शासनादेशानुसार उक्त स्थल पर पुनः अतिक्रमण न हो इसकी जिम्मेदारी सम्बन्धित थाने की होगी।

शहीद प्रभात पांडेय को मोमबत्ती जलाकर विनम्र श्रद्धांजलि दी

प्रयागराज। भाजपा के कुशासन के विरोध में कल 18 दिसंबर 2024 को उत्तर प्रदेश कांग्रेस ने लखनऊ में विधानसभा का बृहद घेराव में दुःखद

घटना हो गई। उत्तर प्रदेश युवा कांग्रेस के पूर्व सचिव प्रभात कुमार पाण्डेय का पुलिसिया उत्पीड़न से दम घुटने के कारण मृत्यु हो गई। कांग्रेस पार्टी स्व0 प्रभात कुमार पाण्डेय का बलिदान बेकार नहीं जाने देगी। गुरुवार को महानगर कांग्रेस के कैंप कार्यालय नैनी में महानगर अध्यक्ष प्रदीप मिश्र अंशुमन की अध्यक्षता में शोकसभा एवं मोमबत्ती जलाकर श्रद्धांजलि दी गई। वहीं दूसरी दुखद घटना प्रयागराज में हुई जहां महानगर कांग्रेस कमेटी प्रयागराज के महानगर सचिव पण्डित वीरेंद्र शर्मा का हृदयगति रुकने के कारण निधन हो गया इनके आत्मा की शांति के लिए नैनी के कैंप कार्यालय में शोक सभा कर श्रद्धांजलि दी गई स इसमें प्रमुख रूप से प्रदीप कुमार मिश्र अंशुमन, नयन कुशवाहा, जितेंद्र तिवारी, विवेक पांडे,राकेश श्रीवास्तव, अंजुम नाज,विनय पांडेय,प्रवीण सिंह भोले, अजेंद्र गौड़, जमाल अख्तर, शिव शंकर मिश्रा, राजेंद्र श्रीवास्तव, मुन्ना जाफरी, प्रदीप वर्मा,सरफराज खान,रवि तिवारी, प्रांजल केसरवानी, अभिषेक शर्मा, शहजाद उल हक, प्रियम मिश्रा, ऋषभ शुक्ला आदि रहे....

सेवा मानव का परम धर्म है- अजेय कुमार पारीक

प्रयागराज। विश्व हिंदू परिषद, सेवा विभाग द्वारा में केसर भवन में त्रिदिवसीय संस्कार शाला आचार्य प्रशिक्षण वर्ग का शुभारंभ श्री अजेय पारीक, अखिल भारतीय सेवा प्रमुख एवं केंद्रीय मंत्री विश्व हिंदू परिषद ने दीप प्रज्वलन कर किया। साथ में विश्व हिंदू परिषद के संयुक्त क्षेत्र सेवा प्रमुख राधेश्याम द्विवेदी, संयुक्त प्रांत सेवा प्रमुख राकेश श्रीवास्तव एवं डॉ अम्बालिका मिश्रा प्रवक्ता, जायस ने भी दीप जलाकर माँ शारदा को पुष्पांजलि अर्पित की। अजेय पारीक ने कहा कि सेवा वस्तुतः वह कार्य है, जो कोई व्यक्ति, अभावग्रस्त या दीन दुखी व्यक्ति व समाज की स्थिति सुधारकर, उसे उन्नत बनाने के लिये, अपनी कर्तव्य भावना से प्रेरित होकर करता है । उन्होंने कहा कि वर्तमान में घर से लेकर विद्यालय व समाज में संस्कारों का बहुत अभाव दिखता है, जिसके कारण संस्कारहीन बालक आगे चलकर कुप्रवृत्तियों का शिकार होकर घर, परिवार व समाज के लिए घातक हो जाता है । बाल्यकाल से ही संस्कार की महती आवश्यकता है। संस्कार शाला के माध्यम से सेवा बस्ती के 25–30 बालक जो 4 से 12 वर्ष आयु के हैं, उन्हें शिक्षा व संस्कार देकर उन्हें राष्ट्र व हिंदुत्व के लिये जागृत किया जाएगा। समापन सत्र में श्री राधेश्याम द्विवेदी ने बताया कि प्रयाग महानगर के 14 सेवा बस्तियों में संस्कार शाला चलाई जा रही है । 20 आचार्यों बहनों को प्रशिक्षण दिया गया । अब महानगर की 20 अन्य बस्तियों में, वि.हि.प. संस्कार शाला का विस्तार कर सामाजिक समरसता और हिंदुत्व का जागरण करेगा । संस्कारित बालक–बालिकाएं ही आगे राष्ट्र के गौरव बनेंगे । डॉ. अम्बालिका मिश्रा ने 3 दिन लगातार 12 सत्रों में रहकर प्रशिक्षण में सहभागिता किया। प्रशिक्षण वर्ग के समापन पर के. पी. सिंह, प्रांत अध्यक्ष, विश्व हिंदू परिषद, ने महिला प्रशिक्षुओं को सेवा कार्यों में समर्पित होने का मंत्र दिया। समापन अवसर पर मुख्य रूप से श्री अनिल कुमार सिंह, प्रांत सेवा प्रमुख, सुनील पांडे, कार्यकारिणी सदस्य, विष्णु श्रीवास्तव तथा आनंद चटर्जी उपस्थित रहे।

हरिमोहन मालवीयः एक परिचय

प्रयागराज। प्रेम, स्नेह, संवेदनशीलता, भावुकता, परोपकार, विनम्रता जैसे मानवीय गुणों से आपूरित हरिमोहन मालवीय जी अपनी साहित्य तपस्या के कारण अति लोकप्रिय थे। साहित्य जगत में आपकी अपनी एक अलग पहचान थी। हिन्दी के प्रचार–प्रसार एवं उन्नयन में मालवीय जी ने अपना पूरा जीवन समर्पित कर दिया। हिन्दी के संवर्धन में जुटी प्रयागराज की तीन प्रमुख संस्थाओं में इनका बहुत महत्वपूर्ण योगदान रहा। हिन्दी साहित्य सम्मेलन से वर्षों तक पत्रिका के सम्पादक के रूप में जुड़े रहे। हिन्दुस्तानी एकेडेमी में मालवीय जी अनेक वर्षों तक सचिव एवं अध्यक्ष के रूप में सेवाएं देते रहे। अपने कार्यकाल में इन्होंने हिन्दी साहित्य सम्मेलन एवं हिन्दुस्तानी एकेडेमी में अनेक महत्वपूर्ण कार्य सम्पादित किए, जो अविस्मरणीय हैं। विज्ञान के हिन्दी में लोकप्रियकरण में पिछले एक सौ दस वर्षों से निरन्तर सेवारत संस्था विज्ञान परिषद् में हिन्दी शब्दकोश निर्माण में मालवीय जी का विशेष

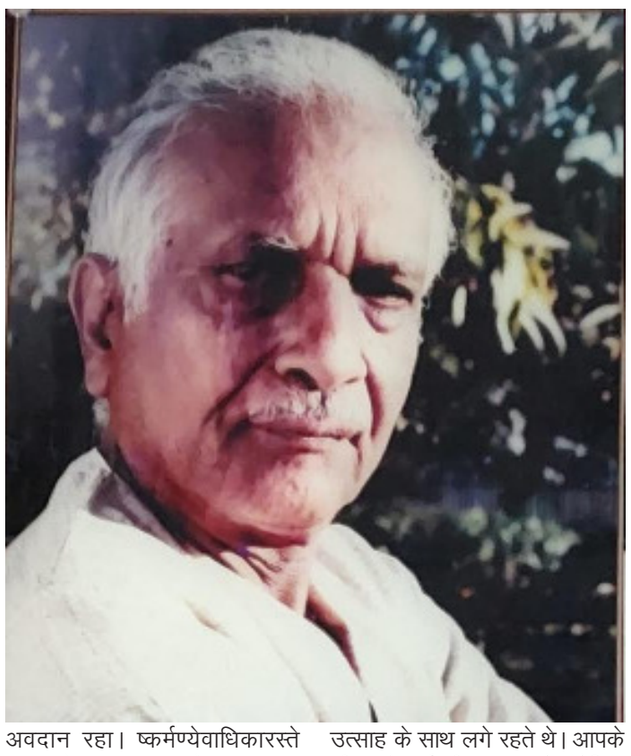

अवदान रहा। ष्कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन्ष् को आत्मसात् कर विपरीत परिस्थितियों में भी पूरे उत्साह के साथ लगे रहते थे। आपके जीवन में कर्म की प्रधानता है। जैविक आयु लगभग 91 वर्ष की होने के कारण शारीरिक शिथिलता के बावजूद कभी हिन्दी साहित्य की चर्चा करते हुए उनकी आँखों में अजीब–सी चमक आ जाती थी। नई स्फूर्ति, नए उत्साह के साथ उनकी सकारात्मक भावाभिव्यक्ति सराहनीय है। नव रचनाकारों का मालवीय जी सदैव उत्साहवर्धन एवं मार्गदर्शन करते रहते थे। अभी कुछ दिन पहले उन्होंने अस्वस्थता के बावजूद लखनऊ में अपने पुत्र गौरव मालवीय से कहा आओ चलो प्रयागराज चलते हैं हिंदी का काम छूट गया है उसको देख कर आते हैं। हरि मोहन मालवीय भारतीय जनता पार्टी के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ मुरली मनोहर जोशी के अभिन्न मित्र एवं उनके चुनाव प्रभारी थे। वो प्रयागराज के सबसे पुराने स्वयंसेवकों में से थे जिन्होंने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की सदस्यता आजादी पूर्व ही ग्रहण कर ली थी।राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के ऊपर लगने वाले प्रतिबंध के तहत सन 1949 में जो संघ सत्याग्रह हुआ था उसमें तकरीबन 4 महीने नैनी केंद्रीय कारागार में बंद भी रहे। श्री हरि मोहन मालवीय भारतीय जनता पार्टी की मासिक पत्रिका वर्तमान कमल ज्योति के कई वर्षों तक संपादक भी रह चुके हैं।वरिष्ठ समाजवादी नेता और भूतपूर्व केंद्रीय मंत्री स्वर्गीय सत्य प्रकाश मालवीय इनके पत्नी के भाई थे। यद्यपि हरि मोहन मालवीय भाजपा और संघ के कार्यो से जुड़े रहे पर उन्होंने अपने आपको सदैव गुटबन्दी से विलग रखा। उनके अधिकांश मित्र और शुभचिंतक विपरीत विचारधारा के थे। सभी विचारधाराओं में लोकप्रियता के कारण वो सच्चे अजातशत्रु थे। वे अपने रास्ते स्वयं बनाते गए। जिस भी संस्था में रहे, उसे जीवन्त रखा और उसकी समृद्धि करते रहे। उनका एक वाक्य स्थापित है– ष्संस्थाएं अनुदान से नहीं अनुराग से चलती हैं।ष मालवीय अपने अधीनस्त कर्मचारियों को पूरा सम्मान देते रहे, साथ ही उनके सुख–दुःख की इन्हें हमेशा चिंता रही।

हरिमोहन मालवीय हुए पंच तत्व में विलीन

प्रयागराज। नगर के जाने–माने वरिष्ठ साहित्यकार, राष्ट्रपति से पुरस्कृत, हिंदुस्तानी अकादमी के पूर्व अध्यक्ष हरि मोहन मालवीय की तबीयत कई दिनों से उम्र संबंधित दिक्कतों को लेकर खराब चल रही थी वह लखनऊ में स्थित अपने पुत्र गौरव मालवीय के पास विगत दिनों से रह रहे थे वहां उम्र संबंधित दिक्कतों के के साथ–साथ निमोनिया और छाती में संक्रमण कारण उन्हें अस्पताल में भर्ती थें। 91 वर्षीय हिंदी जगत के वरिष्ठ साहित्यकार हरि मोहन मालवीय गुरुवार रात 2 बजकर18 पर सीने में संक्रमण के कारण स्वर्गवास हो गया था। उनका शवदाह संस्कार प्रयागराज में कालिंदी तट पर मीरापुर स्थित ककरहा घाट पर उनके पुत्र गौरव मालवीय ने किया। उनकी शव यात्रा में परिवार सहित बड़ी संख्या में साहित्य क्षेत्र से जुड़े एवं शहर के बुद्धिजीवी वर्ग के लोग तथा भाजपा कार्यकर्ता शामिल हुए।

संस्थाएं अनुदान से नहीं अनुराग से चलती हैं: हरिमोहन मालवीय

प्रयागराज। हिन्दी साहित्य के प्रति मालवीय की निष्ठा इनके लिखे सैकड़ों लेखों में परिलक्षित होती है। हिन्दी साहित्य के पाठालोचन एवं सम्पादन कार्य में आप सिद्धहस्त हैं। वृन्दावन शोध संस्थान में रहकर मालवीय जी ने ब्रज साहित्य पर शोध किया। इस संस्थान द्वारा तानसेन की श्रागमालाश कृति का सम्पादन कर प्रकाशित करने का कार्य आपने किया। संत मलूकदास स्मारक समिति का गठन कर उसके माध्यम से संत मलूकदास जी के देवी धाम कड़ा स्थित श्मलूक आश्रमश का पुनर्निमाण कराया। बालकृष्ण भट्ट की लोकोक्तियों का सम्पादन कर द्विभाषा संस्कृत लोकोक्ति कोश तैयार किया। वृन्दावन शोध संस्थान से प्राप्त रागमाला की पाण्डुलिपि के साथ जोधपुर स्टेट लाइब्रेरी से अपने व्यक्तिगत प्रयासों द्वारा प्राप्त पाण्डुलिपि का पाठालोचन कर मालवीय जी ने श्रागमालाश का सम्पादित रूप प्रकाशित किया, जिसे हिन्दी साहित्य में आपकी विशेष उपलब्धि माना जाएगा। श्रागमालाश में आपने प्रामाणिक रंगीन चित्र भी दिए हैं। आपने ब्रज साहित्य से खोजकर प्रागन कृत श्भंवरगीतश का पाठालोचन एवं सम्पादन किया। इसी कड़ी में गुजरात से प्राप्त बालचन्द्र मुनि द्वारा जैन ग्रन्थ श्बालचन्द्र बत्तीसीश, विद्वान रचनाकार लोकमणि मिश्र रचित श्नौरस रंगश, बुन्देलखण्ड के महाराज पृथ्वीसिंह की कृति श्रतन हजाराश एवं शुभकरण दास रचित बिहारी सतसई की श्अनवर चंद्रिका टीकाश के पाठालोचन एवं सम्पादन का महान कार्य किया। उपरोक्त कृतियां हिन्दी साहित्य सम्मेलन द्वारा प्रकाशित हुईं। अनेक कोश निर्माणों में आपकी सक्रिय भूमिका रही। सीधी–सव के श्अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति कोशश के सम्पादन में सहयोग किया । इसी तरह । डॉ. सत्य प्रकाश द्वारा सम्पादित मानक श्अंग्रेजी हिन्दी कोशश में शब्दों की व्युत्पत्ति एवं उच्चारण आदि में आपका सहयोग रहा। हिन्दी पत्रकारिता के क्षेत्र में आपके योगदान हेतु आपको केन्द्रीय हिन्दी संस्थान द्वारा वर्ष 2001 में श्गणेश शंकर विद्यार्थी सम्मानश से राष्ट्रपति द्वारा अलंकृत किया गया। यह सम्मान आपको तत्कालीन राष्ट्रपति के आर नारायणन द्वारा आपको सम्मानित किया गया। आपको सन् 2018 में हिन्दी संस्थान द्वारा सर्वोच्च पुरस्कार श्साहित्य भूषणश से भी सम्मानित किया। हरिमोहन मालवीय को हिन्दी साहित्य का विश्वकोश या श्इनसाइक्लोपीडियाश कहा जाए तो अतिशयोक्ति नहीं होगी। किसी भी विषय पर आधा–एक घंटा अबाध्य व्याख्यान या लेखन इनके लिए सरल व सहज कार्य था। भारत की प्राचीनतम श्श्री पथरचट्टी रामलीला कमेटीश द्वारा प्रकाशित स्मारिका के सम्पादन का अतिसराहनीय कार्य आप इसके प्रारंभ से अबतक करते रहे। इसका हर अंक इनके अथक प्रयास से विशिष्ट एवं संग्रहणीय बन जाता था । इसमें प्रकाशित मालवीय जी के सम्पादकीय भारतीय संस्कृति, धर्म एवं आध्यात्म के शोधार्थियों के लिए बहुत उपयोगी हैं। हिन्दी साहित्य के एक सफल सम्पादक, पाठालोचक, साहित्यकार, वार्ताकार, कृत्तिकार, चित्रकार... के योगदान को किसी एक पुस्तक में रेखांकित कर पाना एक दुरूह कार्य है।

राज्य बॉक्सिंग चौंपियनशिप में अदिति को स्वर्ण पदक मिला

प्रयागराज। मदन मोहन मालवीय स्टेडियम में हो रहे उत्तर प्रदेश राज्य बॉक्सिंग चौंपियनशिप में अदिति चौधरी ने बॉक्सिंग के 63–65 किलो भार वर्ग में एकमात्र गोल्ड मेडल जीतकर प्रयागराज के गौरव को बढ़ाया है।

अदिति खेल गांव पब्लिक स्कूल में 11वीं विज्ञान संकाय गणित की छात्रा है। आदित्य चौधरी पुत्री संतोष कुमार चौधरी व माता मौसम शर्मा खेल के प्रति बच्चों को प्रोत्साहित करते रहती है। अदिति बॉक्सिंग के साथ–साथ तैराकी, शूटिंग व कयाकिंग की राज्य स्तरीय खिलाड़ी है। उनकी उपलब्धि पर नवजीवन तैराकी क्लब की (अध्यक्ष) मानस निषाद व (सचिव) कमला निषाद प्रयागराज वेलफेयर कयाकिंग एवं कैनोइंग एसोसिएशन के (अध्यक्ष) संदीप गुप्ता (उपाध्यक्ष) पूजा कपूर (कोषाध्यक्ष) अजय निझावन, वॉटर स्पोर्ट्स के राष्ट्रीय प्रशिक्षक त्रिभुवन निषाद उत्तर प्रदेश गया किंग एवं कानून संघ के (अध्यक्ष) सुरेश गुप्ता (उपाध्यक्ष) उपेंद्र निषाद, (कोषाध्यक्ष) संजय आकांक्षा श्रीवास्तव, गुलाब चंद्र, संजय श्रीवास्तव, नीरज निषाद, प्रशांत श्रीवास्तव, राष्ट्रीय खिलाड़ी कीर्ति निषाद, संजीव खन्ना, राहुल कुमार कुशवाहा, अरशद अंसारी, कामरान, मोहम्मद आशीर, आदि बधाई दिया।

महाकुंभः गुजरात हस्तशिल्प उत्सव का आयोजन आज से

प्रयागराज। महाकुंभ के अवसर पर, इन्डेक्ष्ट–सी, गुजरात सरकार द्वारा शिल्प हाट, उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र, प्रयागराज, उत्तरप्रदेश मे 20 से 29 दिसंबर, 2024 तक गुजरात के शिल्पकारो की कलाकृति का प्रदर्शन–एवं–बीक्री का आयोजन कीया गया है। गुजरात राज्य के उद्योग और खनन विभाग के कॉटेज एंड रूरल इंडस्ट्री तहत इंडस्ट्रियल एक्सटेंशन कॉटेज (इन्डेक्ष्ट–सी) कार्यरत है। इन्डेक्ष्ट–सी का मूलभुत उद्देश्य शिल्पकारों की आजीविका को बढ़ावा देना और गुजरात राज्य के दूरंदाज गांवों की जीवंत कलाकृतियों, हस्तशिल्प, कॉटेज और ग्रामोद्योग की वंशानुगत कला को जीवित रखते हुए ओर कलाकृतिओ का सर्जन करने वाले शिल्पकारो को गुजरात राज्य के विभिन्न शहर एवं देश के विभिन्न राज्यों में प्रत्यक्ष विपणन मंच (मार्केटिंग प्लेटफॉर्म) मुहैया करना है। सरकार के द्वारा आत्मनिर्भरता की दिशा मे एक कदम के रूप मे हस्तशिल्प के क्षेत्र से जूडे हुए कला–शिल्पकारो के व्यवसाय–रोजगार मे तेजी ला के शिल्पकारो को आत्मनिर्भरता हासिल करने और आजिवीका के स्तर में बढोतरी के शुभ इरादे के साथ ये उत्सव का आयोजन कीया गया है। इन्डेक्ष्टदृसी द्वारा 20 से 29 दिसंबर, 2024 तक शिल्प हाट, उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र, प्रयागराज, उत्तरप्रदेश मे गुजरात हस्तशिल्प उत्सव का आयोजन कीया गया है। ये उत्सव मे प्रवेश और पार्किंग निरूशुल्क है। उत्सव में गुजरात राज्य की बहेतरीन शिल्पकला से जुडे शिल्पकार, हेन्डलूम–हस्तशिल्प की समिति, कल्स्टर, एन.जी.ओ., एस. एच.जी ग्रुप एवंम कला–शिल्पकारो के 70 से ज्यादा दुकानो के माध्यम से प्रत्यक्ष विपणन मंच (मार्केटिंग प्लेटफॉर्म) मुहैया कीया गया है। गुजरात के बहेतरीन हथकरघा और हस्तशिल्प, कच्छी–कसीदाकारी, अजरख ब्लॉक प्रिंट, टाई एंड डाई (बंधेज), जरी–जरदोशी का काम, मोती का काम, बंधन बार, लेदर वर्क, लकड़ी और धातु का काम, ज्वेलरी, आभूषण और कलाकृतियों के विशेष संग्रह से गृह सजावट और आदि सामान का प्रदर्शन–एवम–बीक्री करने सामेल है। जीस मे एवोर्डी और विलुप्त कला के शिल्पकार शामिल हो कर जिवंत–निदर्शन करेगें। इस उत्सव मे रमत गमत, युवा और सांस्कृतिक प्रवृत्तिया विभाग, गुजरात सरकार के सहयोग से दिनांक 20, 21 एंव 22 दिसंबर, 2024 को गुजरात के श्री कन्या विद्यालय अस्तान, सुरत, गुजरात–कलाकृति रू प्राचीन गुजराती टेडीशनल गरबा, अर्वाचीन गरबा एवं राठवा आदीवाशी जनजाती, छोटाउदेपुर, गुजरात–कलाकृति रू राठवा ट्रायबल डान्स के "गुजराती रास–गरबा कार्यक्रमो" का आयोजन कीया है। जीस का बच्चो के साथ प्रयागरज के नगरजन मनोरंजन का लुप्त उठा शकेगे। यह उत्सव का उद्घाटन शिल्प हाट, उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र मे 20 दिसंबर को प्रयागराज उत्तर प्रदेश के श्री मनोजकुमार गौतम मान. कमाडेन्टश्री के कर कमलो से कीया जायेगा। यह अवसर पर उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र एवं इन्डेक्ष्ट–सी–गुजरात के अधिकारी उपस्थित रहेगें। उल्लेखनीय है कि ये उत्सव का आयोजन श्री प्रवीण सोलंकी ी, चेरमेन, इन्डेक्ष्ट–सी एव सेक्रेटरीश्री एव कमिशनरश्री, कॉटेज एंड रूरल इंडस्ट्री, गुजरात सरकार के दिशा–निर्देश से कीया गया है।

प्रयागराज की कलाप्रिय जनता को गुजरात के शिल्पकारो की सराहना करने और हस्तशिल्प की चीजें शिल्पकारो से सीधे खरीदने शिल्प हाट, उत्तर मध्य क्षेत्र, उत्तर प्रदेश मे आयोजीत "गुजरात हस्तशिल्प उत्सव" में शामेल के लिए इन्डेक्ष्ट–सी के एज्युकीटीव डायरेक्टर एन. डी. परमार ळी ने अनुरोध कीया है।

इलाहाबाद विश्वविद्यालय संकायाध्यक्ष लश्व विभाग

प्रयागराज। इलाहाबाद विश्वविद्यालय के विधि संकाय के कानूनी सहायता एवं सेवा क्लिनिक ने विधिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम के अंतर्गत विधि संकाय के नवीन भवन स्थित सभागार में "साइबर अपराध पर विधिक जागरूकता" विषय पर महाकुंभ मेला प्रयागराज के पुलिस उपायुक्त श्री संदीप वर्मा द्वारा विशेष व्याख्यान दिया गया। विधि संकाय के संकायाध्यक्ष प्रोफेसर आदेश कुमार ने श्री संदीप वर्मा का स्वागत किया। श्री संदीप वर्मा ने सोशल मीडिया और साइबर धोखाधड़ी जैसे विभिन्न प्रकार के धोखाधड़ी पर चर्चा की। उन्होंने दर्शकों को विभिन्न नागरिक केंद्रित अनुप्रयोगों से परिचित कराया और विभिन्न प्रकार की चल रही साइबर धोखाधड़ी के बारे में आगाह किया। उन्होंने लोगों से साइबर अपराध रिपोर्टिंग नंबर 1930 पर शिकायत दर्ज करने का अनुरोध किया। उन्होंने तीसरे पक्ष के ऐप का उपयोग करने के खिलाफ चेतावनी दी। उन्होंने यह कहते हुए निष्कर्ष दिया कि विश्व का भविष्य एआई है और हमें इसका उपयोग करते समय सतर्क रहना चाहिए। डॉ. नरेंद्र कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन किया। कार्यक्रम के अंत में विधि संकाय के संकायाध्यक्ष प्रोफेसर आदेश कुमार ने श्री संदीप वर्मा को स्मृति चिन्ह भेंट किया। इस अवसर पर इलाहाबाद विश्वविद्यालय के विधि संकाय के संकायाध्यक्ष एवं समन्वयक प्रोफेसर आदेश कुमार, डॉ. संजीव कुमार (संयोजक विधिक सहायता एवं सेवा क्लिनिक), डॉ. विजय लक्ष्मी सिंह (सह–संयोजिका विधिक सहायता एवं सेवा क्लिनिक), डॉ. सोनल शंकर, डॉ. अजय सिंह, डॉ. रोशन लाल, डॉ. मुक्ता वर्मा, डॉ. नरेंद्र कुमार, डॉ. प्रिया विजय, डॉ. संध्या वर्मा, डॉ. स्मिता श्रीवास्तव, डॉ. बृजेश कुमार सिंह, श्री भीम सिंह मीना एवं डॉ. अनुराग दीपक वर्मा उपस्थित थे।

क्रिकेट खेलकर घर लौट रहे बीएससी के छात्र को मारी गोली, हालत नाजुक

प्रयागराज। थरवई थाना क्षेत्र के आरा मशीन चौराहे के पास बुधवार शाम छात्र रंजीत सिंह पर आठ से दस लोगों ने ताबड़तोड़ हमला कर दिया। बमबाजी की और गोलियां बरसाईं। पेट में गोली लगने से रंजीत की हालत गंभीर है। एसआरएन अस्पताल में उसका इलाज चल रहा है। वारदात बुधवार शाम करीब 5रू15 बजे की है। शीतलपुर गांव निवासी रंजीत सिंह (22) बीएससी का छात्र है। उसने हाल ही में अपने गांव में क्रिकेट टूर्नामेंट आयोजित किया है। शाम को मैच खेलने के बाद घर लौट रहा था। आरा मशीन चौराहे के पास पल्सर समेत अन्य बाइक से आए आठ से दस हमलावरों ने उसे घेर लिया। गालीगलौज करने के बाद फायरिंग शुरू कर दी। गोली लगने से घायल रंजीत को पुलिस की मदद से एसआरएन में भर्ती करवाया, जहां उसकी हालत गंभीर बनी है । रंजीत के बड़े भाई मंजीत सिंह ने बताया कि उनके गांव में प्रद्युन सिंह रहते हैं। इनके मकान को कब्जा करने को लेकर आए दिन कुछ दबंग से विवाद होता रहता है। रंजीत ने इसी का बीच–बचाव किया था। इसके बाद से ही वह लोग रंजिश रखने लगे। आए दिन फोन कर गालीगलौज करते थे। बुधवार को जब भाई मैच खेलने गया तो उक्त आरोपियों ने उस पर जान से मारने की नियत से फायरिंग कर दी। वहीं, एसीपी थरवई चंद्रपाल सिंह ने बताया कि फायरिंग की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची थी। एसआरएन में पीड़ित पक्ष का बयान दर्ज किया जा रहा है। जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार किया जाएगा।

एई भर्ती के आवेदन शुरू होते ही बढ़ी ओटीआर की संख्या, दो लाख तक आवेदन आने की उम्मीद

प्रयागराज। सहायक अभियंता भर्ती के लिए सम्मिलित राज्य अभियंत्रण सेवा परीक्षा–2024 के तहत ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया शुरू होते ही वन टाइम रजिस्ट्रेशन (ओटीआर) की संख्या तेजी से बढ़ने लगी है। आवेदन शुरू होने के 24 घंटे के अंदर एक हजार नए अभ्यर्थियों ने रजिस्ट्रेशन कराया है।

सम्पादक
सिद्धनाथ द्विवेदी
प्रबन्धक निदेशक
दीपक जयसवाल
सम्पादकीय कार्यालय
11ई/2, ताशकंद मार्ग, सिविल लाइन्स, इलाहाबाद

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के आधीन होगा।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक सिद्धनाथ द्विवेदी द्वारा काम्पीटेंट बिजनेस सर्विसेज विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित एवं 399 कृष्णानगर कीडगंज से प्रकाशित।
सम्पादक–सिद्धनाथ द्विवेदी, आरएनआई नं. UPHIN/2007/22706 रजि.नं. AD-32/2008-09 ईमेलः amritkt.alld@gmail.com फोन नं. : 9453273951, 8799627062